प्रयागराज, रविवार 10 मई 2026 से 16 मई 2026 तक
वर्ष-14, अंक-19
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

14th ANNIVERSARY

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

अमेरिका ने सीजफायर तोड़ ईरान पर फिर बमबारी की,ट्रम्प बोले-डील नहीं की तो और हमले करेंगे-होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी आईएमओ के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों के साथ लगभग 20 हजार नाविक भी फंसे हुए हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े

अपडेट्स-30 दिन के अस्थायी समझौते पर बातचीतः न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान 30 दिन तक लड़ाई रोकने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। इसी दौरान स्थायी डील पर बातचीत जारी रहेगी। ट्रम्प-अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज से गुजर रहे अमेरिकी जंगी जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले हुए, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन्हें मार गिराया और 'ईरानी छोटी नावों को तबाह कर दिया।' होर्मुज में करीब 1500 जहाज फंसेः संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी आईएमओ के मुताबिक, होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंसे हुए हैं। तेल, गैस और सप्लाई चेन पर असर बढ़ रहा है, जबकि सोमालिया जैसे देशों में खाद्य संकट और गहरा गया है। इजराइल-हिजबुल्लाह संघर्ष फिर तेजः इजराइल ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह की रदवान यूनिट के कमांडर अहमद बलूत समेत कई बड़े कमांडरों को बेरूत हमले में मार गिराया। जवाब में हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में इजराइली टैंक और सैन्य ठिकानों पर हमलों का दावा किया। अमेरिका ने नए प्रतिबंध लगाएः अमेरिका ने ईरान से जुड़े नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगाए। इनमें इराक के डिप्टी ऑयल मिनिस्टर अली मारीज अल-बहादली और कई कंपनियां शामिल हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये लोग तेल कारोबार के जरिए ईरान और उसके समर्थित समूहों की मदद कर रहे थे।

ईरानी स्टेट मीडिया ने अमेरिका-इजराइल हमलों में एयरपोर्ट और यात्री विमान को नुकसान का वीडियो जारी किया। पूर्व अमेरिकी राजनयिक और सुरक्षा विशेषज्ञ डोनाल्ड जेनसन ने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुई नौसैनिक झड़प को सिर्फ छोटी मुठभेड़ नहीं, बल्कि कंट्रोल्ड एस्केलेशन यानी नियंत्रित तनाव बताया है।

अल जजीरा से बातचीत में जेनसन ने कहा कि दोनों देश बातचीत के बीच अपनी ताकत और इरादे दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि साथ ही कुछ अहम मुद्दों पर समझौते का ढांचा तैयार करने की कोशिश भी चल रही है।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच किसी तरह का समाधान निकलने की संभावना है, लेकिन यह वैसा बड़ा और व्यापक समझौता नहीं होगा जैसा दोनों चाहते हैं।

सुवेंदु अधिकारी बंगाल के सीएम होंगे, गृह विभाग रखेंगे,रूपा गांगुली समेत 2 डिप्टी सीएम बनेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी होंगे। राज्य में दो उप-मुख्यमंत्री भी होंगे। डिप्टी सीएम के तौर पर रूपा गांगुली के नाम

पर मुहर लग चुकी है। दूसरा डिप्टी सीएम उत्तर बंगाल से पुरुष विधायक होगा। सुवेंदु के पास गृह विभाग का प्रभार होगा। सुवेंदु विधायक दल की बैठक के लिए कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर पहुंच गए हैं। उन्होंने नए विधायकों से मुलाकात की। अमित शाह की अध्यक्षता में बैठक में सीएम के नाम को ऐलान होगा। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आज यानि शविवार को 10 बजे मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

सुवेंदु ने सीएम ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते।

यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य प्रस्तावक बनेंगे।

अमेरिका ने सीजफायर तोड़ा,ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया-ईरान

तेहरान। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल

टैंकरों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक, खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि आक्रामक, आतंकवादी और समुद्री डाकू अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से मुंज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। साथ ही फुजैरा बंदरगाह के पास जलडमरूमध्य में दाखिल रहे दूसरे जहाज पर भी हमला किया गया। प्रवक्ता का दावा है कि कुछ क्षेत्रीय देशों के सहयोग से बंदर खामिर, सिरिक और क़ेश्म द्वीप के तटीय नागरिक इलाकों पर भी हवाई हमले किए गए। हालांकि, इन हमलों में हुए नुकसान या हताहतों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरान-अमेरिका के बीच 30 दिन के समझौते पर चर्चा- ईरान और अमेरिका के बीच एक अस्थायी समझौते पर बातचीत चल रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देश 30 दिन तक संघर्ष रोकने और हॉर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक जहाजों के लिए फिर से खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। रिपोर्ट में तीन सीनियर ईरानी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह एक पेज का प्रारंभिक फ्रेमवर्क है। इसके तहत दोनों पक्ष 30 दिन तक सैन्य कार्रवाई रोकेंगे और इसी दौरान स्थायी समझौते पर बातचीत जारी रखेंगे। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, बातचीत अभी जारी है और दोनों पक्ष लंबे समय के समझौते की भाषा और ढांचे पर प्रस्तावों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत में सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उच्च स्तर पर समृद्ध यूरेनियम के भंडार को लेकर है। अमेरिकी पक्ष चाहता है कि ईरान पहले ही इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता दे।

दावा- सुवेंदु के पीए को सुपारी देकर मरवाया,भाजपा विधायक बोले- मैंने कराहने की आवाज सुनी, दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में नया दावा किया गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात सजिश के साथ हत्या की गई। पुलिस को शक है कि इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। इस वारदात से बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद सियासी हिंसा का डर फिर लौट आया है। पुलिस के सीनियर अफसर के मुताबिक कई टीमें जांच में जुटी हैं। 3 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इधर, हत्या में इस्तेमाल की गई दूसरी बाइक भी बरामद कर ली गई है। यह बाइक गुरुवार रात बारासात में 11 नंबर रेल गेट इलाके के पास मिली। यह बाइक पहले दमदम इलाके से चोरी हुई थी। चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात 10.30 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 42 साल के चंद्रनाथ कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर जा रहे थे। हमलावर ने उन्हें सीने में दो और पेट में एक गोली मारी। 2013 में जब सुवेंदु तृणमूल में थे। तब उनके निजी सहायक प्रदीप झा की मौत हुई थी। हालांकि, जांचकर्ताओं ने मौत को सामान्य माना था। इसके बाद 2018 में उनके पीएसओ शुभव्रत चक्रवर्ती मृत मिले थे। पुलिस ने इसे आत्महत्या माना। इसके बाद 2021 में सुवेंदु के एक और पर्सनल असिस्टेंट पुलक लाहिड़ी की भी असामान्य परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पीए हत्याकांड में अब तक के अपडेट्स-विधानसभा भंगः-सीएम पद से इस्तीफा देने से इनकार कर रहीं ममता बनर्जी को एक और झटका लगा है। राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी। इसका कार्यकाल 7 मई की रात खत्म हो रहा था। हमलावरों की कार-बाइक मिलीः पुलिस ने एक छोड़ी गई छोटी कार जब्त की, जिसकी नंबर प्लेट फर्जी निकली। कार का चेसिस और इंजन नंबर मिटाया गया था। हमले में दो बाइक शामिल थीं। इनमें से एक घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर चाय की दुकान के पास मिली। उस पर भी फर्जी रजिस्ट्रेशन था।भाजपा विधायक शंकर घोष ने दावा किया कि जब चंद्रनाथ को गोली मारी गई उस वक्त वे उनके साथ फोन पर बात कर रहे थे। शंकर घोष बोले कि हम लोग आगामी शपथ ग्रहण की बात कर रहे थे। तभी फोन पर गोलियों की आवाज सुनाई दी। फिर किसी के कराहने की आवाज आई। इस बीच मेरा फोन कट गया। दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा।

वेटिंग टिकट कन्फर्म होगा या नहीं अब एआई बताएगा,अगस्त से हाईटेक मॉड्यूल पर शिफ्ट होंगी ट्रेनें

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे अपने 40 साल पुराने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) को पूरी तरह बदलने जा रहा है। नया सिस्टम एआई की मदद से बताएगा कि वेटिंग टिकट कंफर्म होगा या नहीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक की और अगस्त से ट्रेनों को नए अपग्रेड सिस्टम पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। वर्तमान रिजर्वेशन सिस्टम साल 1986 में शुरू हुआ था। पिछले 40 सालों में इसमें कई छोटे बदलाव किए गए, लेकिन अब इसे लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की मदद से पूरी तरह नया किया गया है, ताकि इसकी क्षमता बढ़ाई जा सके। जानिए नए सिस्टम और रेलवन एप से क्या फायदे होंगेः-सवाल 1: रेलवे अपने रिजर्वेशन सिस्टम में क्या बदलने जा रहा है? जवाबः रेलवे 40 साल पुराने रिजर्वेशन सिस्टम को अपग्रेड कर रहा है। अगस्त से ट्रेनों को पुराने सिस्टम से नए और एडवांस सिस्टम पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसका मकसद बुकिंग क्षमता को बढ़ाना और अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना है। सवाल 2: रेल मंत्री ने अधिकारियों को क्या निर्देश दिए हैं? जवाबः रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सिस्टम अपग्रेड करते समय यात्रियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। वैष्णव ने शिफ्टिंग को स्मूथ और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। सवाल 3: देश में ऑनलाइन टिकट बुकिंग का चलन कितना बढ़ा है? जवाबः रेलवे के मुताबिक, आज देश में कुल टिकटिंग डिमांड का लगभग 88% हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए पूरा होता है। 2002 में इंटरनेट टिकटिंग की शुरुआत एक बड़ा माइलस्टोन थी, जिसके बाद अब ज्यादातर लोग काउंटर के बजाय मोबाइल से टिकट बुक करना पसंद करते हैं। सवाल 4: रेल वन एप क्या है और यह कितना लोकप्रिय हो रहा है? जवाबः रेलवे का नया मोबाइल एप है, जिसे पिछले साल जुलाई में लॉन्च किया गया था। एक साल से भी कम समय में इसे 3.5 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गूगल प्ले स्टोर से इसे 3.16 करोड़ और एप्पल के आईओएस से 33.17 लाख बार डाउनलोड किया गया है। सवाल 5: नए एप में वेटिंग लिस्ट प्रिडिक्शन की सटीकता कितनी है?जवाबः पहले वेटिंग टिकट कंफर्म होने की संभावना बताने की सटीकता केवल 53फीसदी थी, जो अब एआई-आधारित प्रिडिक्शन की मदद से बढ़कर 94फीसदी हो गई है। अब यात्री को टिकट बुक करते समय ही पता चल जाएगा कि उसकी सीट कंफर्म होगी या नहीं। सवाल 6: रेल वन एप पर रोजाना कितने टिकट बुक किए जा रहे हैं? जवाबः इस एप के जरिए रोजाना देश भर में 9.29 लाख टिकट बुक होते हैं। इनमें 7.2 लाख अनरिजर्व्ड (जनरल और प्लेटफॉर्म टिकट) और 2.09 लाख रिजर्व्ड टिकट शामिल हैं। सवाल 7: क्या इस एप से यात्रा के दौरान अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं? जवाबः हां, रेलवन एप एक 'ऑल-इन-वन' प्लेटफॉर्म है। इसमें टिकट बुकिंग, कैंसिलेशन और रिफंड के साथ-साथ लाइव ट्रेन स्टेटस, प्लेटफॉर्म नंबर, कोच पोजीशन और 'रेल मदद' जैसी सेवाएं शामिल हैं। यात्री इसी एप से खाना भी ऑर्डर कर सकते हैं, जो सीधे उनकी सीट पर पहुंचता है। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2024-25 में पैसेंजर टिकटों पर कुल 60,239 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी है। इसे आसान भाषा में समझें तो हर यात्री को किराए पर औसतन 43फीसदी का डिस्काउंट मिल रहा है। अगर रेलवे को एक यात्री को सेवा देने में 100 रुपए का खर्च आता है, तो वह बदले में यात्री से केवल 57 रुपए ही वसूलता है।

यूपी-बिहार में बारिश,एमपी में आंधी,राजस्थान में ओले गिरे,हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट,राजकोट देश में सबसे गर्म

लखनऊ। उत्तर और मध्य भारत में गर्मी के बीच बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड

और बिहार में गुरुवार को बारिश हुई। वहीं बिहार और हिमाचल प्रदेश में ओले भी गिरे। बिहार के जमुई समेत 5 जिलों में तेज बारिश हुई। राजस्थान के अलवर, टोंक और कोटपूतली-बहरोड़ जिले में गुरुवार दोपहर बाद मौसम बदला और बारिश और ओलावृष्टि हुई। इस दौरान ओले भी गिरे। प्रदेश का तापमान 2डिग्री से 3डिग्री बढ़ सकता है। हिमाचल प्रदेश के शिमला, जुब्बरहट्टी, सुंदरनगर और कांगड़ा में बारिश हुई। कई जगहों पर बिजली भी गिरी। पिछले 24 घंटों में सिरमौर के सराहन में सबसे ज्यादा 20 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज राज्य के ऊपरी जिलों किन्नौर और मंडी में बर्फबारी और बारिश की संभावना है। 11 से 13 मई तक राज्य में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यूपी में गुरुवार को बांदा, बिजनौर, शाहजहांपुर, कानपुर देहात और महोबा में तेज बारिश हुई। बिजनौर में सड़क पर सीसीटीवी के लिए लगाया गया टावर गिर गया, जिससे बिजली गुल हो गई। बाराबंकी में हाईवे पर फिसलन की वजह से दो डबल डेकर बसें, एक डीसीएम और कई अन्य गाड़ियां टकरा गईं। बस सवार बस्ती निवासी एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहाँ का तापमान 42.9डिग्री दर्ज किया गया।मध्य प्रदेश में पिछले 7 दिन से आंधी-बारिश का दौर है। आज भी ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी और टीकमगढ़ में बारिश और आंधी हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के 44 जिलों में गर्मी का असर भी रहेगा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। केदारनाथ में गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई। पिथौरागढ़ में 18 मिमी और बागेश्वर के सोंग में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज के दिन का मौसम- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

शराब और बीयर 20फीसदी तक महंगी हो सकती है,ईरान जंग का असर,कंपनियों ने राज्यों से दाम बढ़ाने की मांग की

नयी दिल्ली। शराब बनाने वाली कंपनियों ने राज्य सरकारों से शराब, बीयर और वाइन की कीमतें बढ़ाने की मांग की है।

कंपनियों का कहना है कि ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई हैं। इससे कांच की बोतलों, एल्युमीनियम कैन और पैकेजिंग मटेरियल की लागत काफी बढ़ गई हैं। शराब उद्योग की प्रमुख संस्थाओं कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज और ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने राज्यों को पत्र लिखकर कीमतों में बदलाव की अनुमति मांगी है। ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी की भरपाई के लिए 15फीसदी-20फीसदी तक दाम बढ़ाने का सुझाव दिया है। 4 वजह से महंगी हुई शराब की पैकेजिंग-कांच की बोतलें इनकी कीमतों में करीब 20फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पैकेजिंगः पेपर कार्टन (गत्ते के डिब्बे) के दाम लगभग 100फीसदी यानी दोगुने हो गए हैं। अन्य मटेरियलः एडहेसिव (गोंद), एलडीपीई, बीओपीपी जैसे जरूरी सामान 20-25फीसदी तक महंगे हुए। लॉजिस्टिक्सः माल ढुलाई (फ्रेट) और लॉजिस्टिक्स की लागत में 10फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बीएआई में यूनाइटेड ब्रूअर्स, एबी इनबेव और कारल्सबर्ग जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जिनकी देश के बीयर मार्केट में करीब 85फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनियों का कहना है कि मुनाफा लगातार कम हो रहा है और लागत इतनी बढ़ गई है कि अब पुराने दामों पर बिजनेस करना मुश्किल हो रहा है। फिरोजाबाद के ग्लास हब में गैस संकट से उत्पादन ठप-शराब की बोतलों की सप्लाई चेन पर सबसे बुरा असर फिरोजाबाद के ग्लास मैन्युफैक्चरिंग हब में पड़ा है। सीआईएबीसी के मुताबिक, गैस की कमी के कारण यहां फैक्ट्रियों को जरूरत की तुलना में केवल 60फीसदी गैस मिल पा रही है। इससे वेंडर्स को मजबूरन महंगी स्पॉट एलएनजी या एलपीजी खरीदनी पड़ रही है, जिससे बोतलों के दाम बढ़ गए हैं। कई यूनिट्स तो बंद होने की कगार पर हैं। एल्युमीनियम सप्लाई चेन टूटी, बीयर कैन की कमी का डर-बीयर इंडस्ट्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती एल्युमीनियम की सप्लाई है। मिडिल ईस्ट से एल्युमीनियम की आवक बुरी तरह प्रभावित हुई है। सप्लायर्स ने चेतावनी दी है कि अगर तनाव लंबा चला तो बीयर कैन का उत्पादन पूरी तरह ठप हो सकता है और कई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स बंद करने पड़ सकते हैं। कंपनियों ने राहत के तौर पर टैक्स कटौती की मांग की-लागत के दबाव को कम करने के लिए कंपनियों ने राज्य सरकारों से 'अंतरिम राहत' भी मांगी है। बीआईए ने सुझाव दिया है कि मैन्युफैक्चरिंग लेवी में करीब रु3 से रु5 प्रति लीटर की कमी की जाए। इससे ग्राहकों पर पड़ने वाले बढ़ी कीमतों के बोझ को थोड़ा कम किया जा सकता है। सीआईएबीसी ने भी वाइन और अन्य शराब के 'एक्स-डिस्टिलरी प्राइस' में संशोधन की मांग की है।

दावा-मंत्री एके शर्मा से ऊर्जा विभाग लिया जा सकता है,यूपी में स्मार्ट मीटर के गुस्से का असर मंत्रिमंडल विस्तार में दिखेगा

लखनऊ। स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर यूपी सरकार ने ऐसे ही यू-टर्न नहीं लिया, बल्कि जनता के गुस्से ने ऐसा करने पर मजबूर कर दिया था। सरकार के खिलाफ माहौल बनने लगा था। संघ और भाजपा नेताओं ने सरकार को फीडबैक

दिया कि जल्द ही प्रीपेड मीटर पर फैसला वापस नहीं गया, तो विधानसभा चुनाव में नुकसान हो सकता है। अब संघ और भाजपा के हाईलेवल सोर्स का दावा है कि जल्द होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का विभाग बदला जा सकता है। उनकी जगह किसी और को ऊर्जा विभाग की कमान दी जा सकती है।1. बिना सहमति पोस्टपेड मीटर प्रीपेड में बदलेः यूपी में करीब 3.58 करोड़ घरेलू बिजली उपभोक्ता हैं। फरवरी, 2026 तक इनमें से 87 लाख घरों में स्मार्ट मीटर लगे थे। इनमें से 82 लाख स्मार्ट पोस्टपेड मीटर थे। इन्हें विभाग ने प्रीपेड मीटर में बदल दिया। यह काम जनवरी के महीने से ही शुरू किया। इसके बाद मार्च-अप्रैल से बिजली विभाग ने बकाए पर बिजली कनेक्शन काटने शुरू कर दिए। 2. एक साथ 5 लाख घरों की बिजली काटीः असली परेशानी इसके बाद शुरू हुई। विभाग ने एक साथ 5 लाख से ज्यादा घरों की बिजली निगेटिव बैलेंस बताकर काट दी। रिचार्ज करवाने के बाद भी सप्लाई चालू नहीं हुई। लोगों ने हंगामा किया, तो विभाग ने सफाई दी कि तकनीकी दिक्कत से ऐसा हुआ।3. स्मार्ट मीटर को लेकर आशंकाएंः कई ऐसे वीडियो वायरल हुए, जिनमें दावा किया गया कि बिना बिजली कनेक्शन के भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर में खपत दर्ज हो रही है। एक आम धारणा बन गई कि ये मीटर तेज चलते हैं। विभाग इस धारणा को खत्म नहीं कर पाया। 4. शिकायत के लिए कोई सिस्टम नहींः लोगों की शिकायत थी कि बिजली बिल औसत से कई गुना ज्यादा आ रहा था। विभाग के पास शिकायत की सुनवाई के लिए कोई सिस्टम ही नहीं था। हेल्पलाइन 1912 पर की गईं शिकायतें बिना समाधान किए ही बंद कर दी गईं। 5. सोलर प्लांट के नेटमीटर हटाएः सोलर प्लेट लगवाने वाले उपभोक्ताओं के यहां लगे नेट मीटर तक बदलकर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा दिए गए। फिर सोलर से बनने वाली बिजली को बिना घटाए अपना भारी-भरकम बिल भेज दिया गया। प्रीपेड मीटर को लेकर लोगों के गुस्से को भाजपा समझ नहीं पाई। सपा समेत अन्य विपक्षी दल इसे मुद्दा भी नहीं बना पाए। इस वजह से जनता खुद ही एकजुट होकर विरोध-प्रदर्शन करने को मजबूर हो गई। उधर, भाजपा संगठन के पास ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को लेकर विधायकों और भाजपा नेताओं का लगातार निगेटिव फीडबैक पहुंच रहा था। आगरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद जैसे जिलों के नेताओं ने साफ कर दिया था कि फैसला नहीं वापस लिया, तो चुनाव में यह मुद्दा भारी पड़ जाएगा।

हंतावायरस ग्रसित जहाज पर 2 भारतीय,डॉक्टर बोले- यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता,लेकिन घातक अधिक,3 की मौत

प्राया। अटलांटिक माहासागर में क्रूज शिप एमवी होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह

हंतावायरस फैला है।BBC के मुताबिक, अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड के लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा है कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने एएफपी से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। डॉक्टर के मुताबिक, इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। इच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनेरनी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। डब्लूएचओ ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है। डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को है। उनकी देखभाल अच्छी तरह ट्रेन्ड स्टाफ करता है और सख्त बीमारी नियंत्रण नियमों का पालन किया जाता है। उन्होंने बताया कि मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। डॉक्टर के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि कोई व्यक्ति कितने समय तक वायरस अपने शरीर में रख सकता है। डब्लूएचओ प्रमुख ने कहा कि हंतावायरस का इंक्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है। इसलिए आगे भी नए मामले सामने आने की आशंका बनी हुई है। डब्लूएचओ ने सेंट हेलेना में उतरने वाले यात्रियों के कारण 12 देशों को अलर्ट भेजा है। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और सिंगापुर शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक रायबरेली ने चोरी हुए 101 मोबाइल उनके स्वामियों को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। पुलिस अधीक्षक रायबरेली ने संविधान सेल के माध्यम से कार्यवाही करते हुए कल 101 मोबाइल बरामद किया। बरामद उन मोबाइल फोन को उनके स्वामियों को सौंपा। बरामद मोबाइलों में वीवो 22 रियलमी 16 वनप्लस 3 मोटरोला 1 ओप्पो 21 सैमसंग 11 रेडमी 14 इंफिनिक्स 2 आईक्यू 1टेक्नो 3 पोको 4 लावा 3 कुल 101 थे, जिनमें से कुल 37 मोबाइल थाना बछरावां ने बरामद किया। बछरावां थाने की इस कार्रवाई की पुलिस अधीक्षक ने प्रशंसा की। मोबाइल स्वामी अपने अपने मोबाइल पाकर बहुत प्रसन्न हुए और पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डीएम ने निर्माणाधीन सभागार एवं पुस्तकालय का किया स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज अवध केसरी राणा बेनी माधव बख्श सिंह की स्मृति में निर्माणाधीन सभागार एवं पुस्तकालय का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने अवगत कराया कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार प्रगति पर है। शेष धनराशि शासन से समय पर प्राप्त होते ही कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण कर लिया जाएगा। परियोजना के प्रथम चरण (फेज-01) का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील दत्त, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन के सहायक प्रोजेक्ट अभियंता संदीप कुमार, जूनियर इंजीनियर विनय वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम के आदेश पर 11 नये गेहूँ क्रय केंद्र खोले गए,जनपद में कुल 104 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत जनपद रायबरेली में क्रय एजेंसी द्वारा प्रेषित प्रस्तावों के अनुसार 93 गेहूँ क्रय केन्द्र खोले जाने हेतु अनुमोदित किए जा चुके हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार क्रय एजेंसी पी0सी0एफ0 के 08 एवं पी0सी0यू0 के 03 के प्रेषित प्रस्तावों के अनुसार कुल 11 नये खोले जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके अनुसार तहसील सदर के ब्लॉक राही में 15, अमावां में 06, ब्लॉक हरचन्दपुर में 05 एवं ब्लॉक सतांव में 02 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित है। इसी प्रकार तहसील/ब्लॉक महराजगंज में 14, ब्लाक शिवगढ़ 04, ब्लॉक बछरावां में 04, तहसील/ब्लॉक लालगंज में 03, ब्लॉक सरेनी में 01, ब्लॉक खीरों में 01, तहसील/ब्लॉक ऊँचाहार में 09, ब्लॉक रोहनिया 01, ब्लॉक जगतपुर में 02, तहसील/ब्लॉक डलमऊ में 07, ब्लॉक दीनशाहगौरा में 05, तहसील/ब्लाक सलोन में 11, ब्लॉक डीह में 06 एवं ब्लाक छतोह में 08 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित है। जिलाधिकारी ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिये हैं कि गेहूँ क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद से संबंधित समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराते हुए शासनादेशानुसार/नियमानुसार समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कराते हुए कृषकों से अधिक से अधिक गेहूँ क्रय करना सुनिश्चित करेंगे।

स्मार्ट मीटर का बिल अब पोस्टपेड की तरह आएगा,योगी सरकार ने प्रीपेड सिस्टम खत्म किया

लखनऊ। यूपी में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर बढ़ते आक्रोश और विवाद के बीच योगी सरकार ने 70 लाख बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। प्रदेश में प्रीपेड सिस्टम खत्म कर दिया गया है। अब सभी स्मार्ट मीटर पोस्टपेड मीटर की तरह काम करेंगे। यानी प्रीपेड सिस्टम (पहले रिचार्ज) की व्यवस्था खत्म की जा रही है। उपभोक्ताओं को फिर से हर महीने का बिल मिलेगा। बकाया किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में एक महीने के भीतर बिजली न काटी जाए और शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण हो। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा-'उपभोक्ता देवो भवः। तकनीकी दिक्कतों और उपभोक्ताओं की शिकायतों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि लोगों को राहत मिल सके' .प्रदेश में स्मार्ट मीटर का कई महीनों से विरोध हो रहा है। 25 अप्रैल को ऊर्जा मंत्री ने कहा था कि 1 किलोवाट तक के कनेक्शन पर 30 दिन तक और 2 किलोवाट पर 200 रुपए माइनस होने पर भी बिजली नहीं काटी जाएगी। इसके बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। रविवार को आगरा, फिरोजाबाद, फतेहपुर समेत कई शहरों में महिलाएं सड़कों पर उतर आईं। उन्होंने घरों से मीटर उखाड़कर बिजली विभाग के दफ्तरों में फेंक दिए। सपा और आम आदमी पार्टी ने भी प्रदर्शन किए। सोमवार को शक्ति भवन में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अहम बैठक की। प्रदेश में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। स्मार्ट/प्रीपेड मीटर से हो रही परेशानी को देखते हुए मंत्री शर्मा ने कहा- 'मैंने पहले भी कहा था कि उपभोक्ता को परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्रदेश में अब सभी स्मार्ट मीटर सामान्य पोस्ट-पेड मीटर की तरह कार्य करेंगे। प्री-पेड नाम की व्यवस्था पूरी तरह समाप्त कर दी गई है।' ये फैसले लिए गए- अब मीटर प्रीपेड नहीं, बल्कि पूरी तरह पोस्ट-पेड मोड में चलेगा। मासिक बिल पुराने तरीके से ही आएगा। महीने की 1 से 30 तारीख तक का बिल अगले 10 दिनों में एसएमएस या व्हाट्सप्प पर भेजा जाएगा। बिल मिलने के बाद दी गई समय-सीमा में बिल जमा करना होगा। बिजली विभाग के संदेशों के लिए अपना फोन नंबर अपडेट करा लें। किसी भी स्थिति में महीने के अंदर बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। पुराना बकाया हो तो उसे 10 आसान किश्तों में भरने की सुविधा दी जाएगी। पुराने मीटरों को स्मार्ट-प्रीपेड मीटर से बदलने का काम स्थगित कर दिया है। हाल में लगे स्मार्ट मीटरों से जुड़ी शिकायतों का तुरंत समाधान करने को प्राथमिकता दी जाएगी।

जज के फांसी लगाते ही पत्नी घर से भागी,बाहर आईएएस बहन कार लेकर खड़ी थी, ससुर ने पूछा बेटा कहां है? बोली- पता नहीं

अलवर। दिल्ली में सुसाइड करने वाले जज अमन कुमार शर्मा (30) पत्नी से इतने परेशान थे कि उसके सामने ही फंदे पर लटकने बाथरूम में चले गए। पत्नी ने भी उनको रोका नहीं, बल्कि अपनी आईएएस बहन को फोन कर घर बुलाया। फिर दोनों बच्चों को लेकर कार से रवाना हो गई। इस दौरान अमन के पिता एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा घर की गैलरी में थे। इस पूरी घटना की जानकारी प्रेम कुमार ने पुलिस को दी है। अलवर में रहता है परिवार-अमन कुमार मूल रूप से खैरथल-तिजारा के मुंडाना के रहने वाले थे। वर्तमान में उनके घर वाले अलवर शहर के हसन खां मेवात नगर में रहते हैं। अमन की पोस्टिंग दिल्ली के कोर्ट में थी। अमन की पत्नी भी जज हैं। अमन कुमार दिल्ली के ग्रीन पार्क इलाके में पत्नी के साथ रहते थे। उनके दो बच्चे हैं। एडवोकेट प्रेम कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया- 2 मई को बहू घर से बच्चों को लेकर जाने लगी तो पूछा कि अमन कहां है? बहू ने जवाब दिया कि मुझे पता नहीं है। फिर से पूछा तब भी यही जवाब दिया। वह घर के बाहर निकल गई। बाहर उसकी आईएएस बहन कार लेकर खड़ी थी। दोनों कार से रवाना हो गईं। बहू ने खुद का मोबाइल भी बंद कर लिया था। इसके बाद कहां गई, कुछ नहीं बताया। इस कारण मुझे चिंता हुई। तुरंत घर के अंदर की तरफ गया। अमन को अवाज लगाई। लेकिन घर में सन्नाटा था। फिर अमन के मोबाइल पर घंटी दी। अमन का फोन बाथरूम में बजा। वापस अमन को कई बार आवाज दी। लेकिन अमन नहीं बोला। आखिर में नौकर को बुलाया गया। नौकर ने बाथरूम के ऊपर लगा कांच तोड़ा। अंदर देखा तो अमन फंदे पर लटका मिला। पिता सदमे में आ गए। बेटे की मौत के दो दिन बाद पिता प्रेम कुमार ने यह पूरी जानकारी दिल्ली पुलिस को दी है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने पत्नी से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पत्नी का मोबाइल भी जब्त किया है। इसकी जांच की जा रही है। अमन के माता-पिता को भी पुलिस ने दिल्ली बुलाया है। उनसे भी जानकारी ली गई है। ताकि आगे कार्रवाई की जा सके। पुलिस अमन की पत्नी को जल्दी गिरफ्तार कर सकती है। न पति को बचाया न अंतिम संस्कार में आई-पिता प्रेम कुमार ने बताया- अमन की मौत का पता चलने पर भी उसकी पत्नी अंतिम संस्कार में नहीं पहुंची। अपने दोनों बच्चों को भी साथ ले गई। अलवर में अमन को मैंने अग्नि दी। अमन बहुत होनहार थे।

मां के त्याग, बलिदान और समर्पण को लेकर एक सम्मान माँ के नाम

जरुरत मंद बच्चों को फ़र्स्टवन रिहैब फाउंडेशन की ओर से बाटें गए जरुरी उपकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 70 फ़र्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा एक सम्मान माँ के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसको और उनके मन के योगदान को पहचानना था। इस मौके पर संस्था ने दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण और अध्ययन किट प्रदान की। इसमें रखें और बच्चों के इलाज में रुकावत ना बने। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. त्रिभुवन सिंह ने फर्स्टस्टोन रिहैब फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। अन्होने

उद्देयश् है कि जो मां अपने बच्चों को सहारा देती हैं उस मां को हम सबको माँ के प्रति अपना स्नेह जताने का समान अवसर दिया जाएं ये संमान उन दिव्यांग बच्चों की मां के त्याग, बलिदान और समर्पण को लेकर दिया गया। संस्था के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं, बच्चों और उनके परिवार को समाज में सम्मान और अस्तित्व दिलाना है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना कूलर, पंखा, इलेक्ट्रॉनिक बुक, पज़ल, वॉकर, स्टिक, सीपी चेयर जैसी चीजें शामिल थीं। साथ ही फर्स्टोन के बच्चों द्वारा तैयार किए गए हैंडवॉश और ग्लास क्लीनर गिफ्ट के रूप में दिए गए। बच्चों को ये भी समझा गया कि कैसे वो स्वयं रोजगार शुरू करके समाज का हिसा बन सकते हैं।कार्यक्रम में माता-पिता को घर पर बच्चों की एक्सरसाइज करवाने की ट्रेनिंग दी गई। मां को विशेष रूप से उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया, ताकी वो अपनी सेहत का ध्यान कहा महिलाओं का सम्मान और स्वस्थ घर और समाज को सशक्त बनाता है।

आज हमने यहां वही सच जीता देखा।'कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया जब फर्स्टस्टोन की टीम ने अपने हाथों से बच्चों को लंच करवाया। इस दोस्त को संस्था ने गर्व और अपार सुख का दोस्त कहा। कार्यक्रम के अंत में संस्था ने ये संदेश दिया कि दिव्यांग बच्चे और उनकी मां समाज के लिए प्रेरणा हैं, और उन्हें सिर्फ थोड़े साथ और सम्मान की जरूरत है।

शिक्षा मित्र केवल शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे समाज के निर्माणकर्ता होते हैं - मा0 उद्यान मंत्री

शिक्षामित्रों ने अपने समर्पण, मेहनत और सेवा भाव से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण दिया योगदान - अदिति सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। प्रदेश क 1.43 लाख शिक्षामित्रों की मानदेय बढ़ोतरी के उपलक्ष्य में शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन गोरखपुर में किया गया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री 30प्र0 योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में जनपद के 16 शिक्षा मित्रों को बढ़े हुए मानदेय का डमी चेक वितरित किया गया, इसके साथ ही प्रत्येक विकास खण्ड के 02 एवं नगरीय क्षेत्र कुल भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बच्चों के भविष्य को संवारने का जो कार्य किया है, वह वास्तव में सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि मा0

कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन गोपाल सरस्वती इण्टर कॉलेज में किया गया, जिसमें मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा 39 शिक्षामित्रों को उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मानदेय वृद्धि से जनपद के 2093 शिक्षामित्र लाभान्वित हुए। मा0 उद्यान मंत्री ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि आज का यह अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा मित्रों के मानदेय में वृद्धि भी की और उनके सम्मान को उनकी चौखट तक पहुंचाने का भी कार्य किया है, इसी क्रम में आज यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कृषि निर्यात विभाग, 30प्र0 दिनेश प्रताप सिंह, मा0 विधायक सदर अदिति सिंह, मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता द्वारा प्रतिभाग किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक है। हम यहाँ उन शिक्षा मित्रों का सम्मान करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी निष्ठा, परिश्रम और समर्पण से समाज को एक नई दिशा दी है। शिक्षा मित्र केवल शिक्षक नहीं होते, बल्कि वे समाज के निर्माणकर्ता होते हैं।

आपने कठिन परिस्थितियों में मा0 उद्यान मंत्री ने कहा कि शिक्षा मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आप सभी ने ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में शिक्षा की ज्योति जलाए रखी, जिसके लिए आप बधाई और धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आज जब आपको सम्मानित किया जा रहा है, तो यह केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि आपके समर्पण और सेवा के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है।

यह सम्मान आपको आगे भी और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। मा0 विधायक सदर अदिति सिंह ने कहा कि आज हम उन शिक्षा मित्रों का सम्मान करने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने अपने समर्पण, मेहनत और सेवा भाव से शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शिक्षा मित्र हमारे समाज की वह मजबूत नींव हैं, जो बच्चों के भविष्य को आकार देने का कार्य करते हैं।

विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ संसाधनों की कमी होती है, वहाँ आपने जिस धैर्य और लगन के साथ शिक्षा की अलख जगाई है, वह अत्यंत सराहनीय है। मैं यह मानती हूँ कि किसी भी प्रदेश का विकास उसकी शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है, और इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में आप सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आपने केवल बच्चों को पढ़ाया ही नहीं, बल्कि उनमें संस्कार, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी जगाई है। मा0 विधायक सलोन ने कहा कि आज का यह सम्मान आपके कार्यों की सराहना मात्र नहीं, बल्कि यह एक संदेश भी है कि समाज आपके योगदान को पहचानता है और उसका सम्मान करता है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम शिक्षा को और अधिक सशक्त बनाएं और हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाएं।

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी शिक्षा मित्रों से अपेक्षा करता हूँ कि आप इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे भी कार्य करते रहेंगे और समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। मैं सभी सम्मानित शिक्षा मित्रों को मानदेय वृद्धि की बधाई देता हूं एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षामित्रों को बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षामित्रों को सीधे 10000 से बढ़ाकर 18000 रूपये मानदेय किया गया है, जिसे अप्रैल 2026 से लागू भी कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें पांच लाख रूपये तक की चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

इससे पूर्व कम्पोजिट विद्यालय रोझयां भीखमशाह, प्राथमिक विद्यालय डिडौली एवं कस्तूरबा विद्यालय सूची द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कक्षा पांच की बालिका आवंतिका द्वारा कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इसके पश्चात बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया गया।

मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, उपजिलाधिकारी सचिन यादव, राजेश श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला पंचायत सदस्य राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी, शिक्षा मित्र आदि उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा और उनके संघर्षों को सम्मानित करने के लिए भी मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1886 में शिकागो के हेमार्केट स्क्वायर में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन प्रकार की विधिक सहायता की आवश्यकता होने पर वह ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर स्थित कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में उपस्थित होकर

के दिशा-निर्देशन में श्रमिकों के विधिक अधिकार विषय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली तहसील सदर के अन्तर्गत बिरला कॉर्पोरेशन रायबरेली में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस जागरूकता शिविर में नायब तहसीलदार रमाशंकर मिश्र के द्वारा श्रमिकों हेतु शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी। डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल जय सिंह यादव के द्वारा शिविर में उपस्थित श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरुक करते हुए बताया गया कि यह दिन श्रमिकों के योगदान को याद करने के दौरान हुई हिंसा की याद में मनाया जाता है, जहां अनेक श्रमिकों ने 8 घंटे के कार्य दिवस की मांग की थी। इस अवसर पर पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा इस दिन को मनाने का उद्देश्य मज़दूरों के अधिकारों और उपलब्धियों को उजागर करना है। यह दिवस उचित वेतन, सुरक्षित कार्य वातावरण, उचित कार्य घंटे और शोषण के उन्मूलन की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। यह दिन श्रमिकों के बीच एकता के महत्व और सकारात्मक बदलाव लाने में सामूहिक कार्रवाई की भूमिका पर भी जोर देता है। जागरुकता शिविर में उपस्थित श्रमिकों को जानकारी प्रदान की गयी कि उन्हें कभी भी किसी विधिक सहायता प्राप्त कर सकते है। इसके अतिरिक्त जागरूकता शिविर में पराविधिक स्वयंसेवक मनोज कुमार प्रजापति के द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जा रही निशुल्क विधिक सेवाओं के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इस जागरूकता शिविर मे बड़ी संख्या में श्रमिक व यूनिट हेड सुनील कुमार कोठारी, लेबर आफीसर मान सिंह कुशवाहा, शिवशंकर पाल श्रम परिवर्तन अधिकारी, सिक्योरिटी हेड अमेय विक्रम सिंह, सी0एस0आर0 हेड शिव गोविन्द सिंह व पराविधिक स्वयं सेवक अजीत कुमार उपस्थित रहे।

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत अब स्मार्ट प्रीपेड मीटर होंगे पोस्टपेड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित

गौड़ ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आर.डी.एस.एस. आरडीएसएस योजना के तहत लगे सभी स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड मोड में बदलने का आदेश जारी किया है। प्रबन्ध निदेशक उ.प्र. पाकाली0 के निर्देशानुसार अब उपभोक्ताओं को पहले बिजली इस्तेमाल करने और बाद में भुगतान करने की सुविधा मिलेगी। प्रीपेड से पोस्टपेड का बदलाव मुख्यालय स्तर से आरएमएस बैकएंड के जरिए किया जाएगा, जिसके लिए उपभोक्ताओं को कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। डिजिटल बिलिंग माह मई-2026 का बिल जून में पोस्टपेड पद्धति से जारी होगा। उपभोक्ताओं को उनके बिल एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से सीधे मोबाइल पर प्राप्त होंगे। निश्चित समय सीमारू विभाग द्वारा हर महीने की 10 तारीख तक बिल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। यदि नेटवर्क समस्या के कारण ऑटोमैटिक रीडिंग नहीं आती है, तो कर्मचारी घर आकर मैनुअल रीडिंग लेंगे।नए कनेक्शन अब से सभी नए बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट पोस्टपेड मोड में ही जारी किए जाएंगे। बकाया भुगतान और किस्तों की सुविधारू उपभोक्ताओं को आर्थिक बोझ से बचाने के लिए विभाग ने किस्तों की विशेष व्यवस्था की है घरेलू उपभोक्ता 30 अप्रैल 2026 तक के पुराने बकाये को 10 आसान किस्तों में जमा कर सकेंगे। सिक्युरिटी राशि पूर्व में जमा की गई सिक्युरिटी धनराशि को जून से अगले 4 महीनों के बिलों में वापस समायोजित किया जाएगा। नियमों के अनुसार, बिल जारी होने के बाद भुगतान के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। उपभोक्ताओं की सहायता और शिकायतों के समाधान के लिए विभाग द्वारा 'विशेष कैंपों' का आयोजन भी किया जाएगा।

रायबरेली-रोजगार मेला 11 मई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला सेवा योजना अधिकारी तनुजा यादव ने है। जिसमें हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0, डिप्लोमा पास अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। सम्मिलित हो सकते है।

रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिये सर्वप्रथम

बताया है कि 11 मई 2026 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर रायबरेली में प्रातः 10:00 बजे से किया जाना प्रस्तावित हैं जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनी एस.के.एच मेटल्स लि0, द्वारा प्रतिभाग किया जाना हाई स्कूल/इंटर के अभ्यर्थियों का वेतन-21000 एवं आई0टी0आई0/डिप्लोमा के अभ्यर्थियों का वेतन-22000 देय है।

इच्छुक अभ्यर्थी मेले में अपने साथ मूल शैक्षिक अभिलेख एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल http://rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य हैं।

पंजीकरण में असुविधा होने पर 155330 टोल फ्री नं0 पर संपर्क किया जा सकता है।

हैकिंग को रूटीन बना देना एआई की 'बुद्धिमत्ता' नहीं कहला सकती

एआई कम्पनी एंथ्रोपिक ने हाल ही में अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल की नवीनतम सेवा क्लॉड माइथोस प्रिव्यू को जारी किया, लेकिन यह केवल 40 बड़ी टेक-कंपनियों के सीमित समूह के लिए होगा। यह

नया मॉडल परफॉर्मेंस में बुनियादी बदलावों का दावा करता है, जिसके साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। क्लॉड माइथोस के डेवलपमेंट के दौरान एंथ्रोपिक ने पाया कि यह न केवल किसी भी मॉडल की तुलना में अधिक जटिलता और आसानी से सॉफ्टवेयर कोड लिख सकता है, बल्कि अपनी इस क्षमता के चलते यह दुनिया के लगभग सभी प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टमों में व्याप्त कमजोरियों को भी पहले की तुलना में अधिक आसानी से खोज सकता है। लेकिन अगर यह टूल गलत हाथों में चला गया, तो वे दुनिया के लगभग हर प्रमुख सॉफ्टवेयर सिस्टम- यहां तक कि इस समूह में शामिल कंपनियों द्वारा बनाए सिस्टमों को भी हैक कर सकते हैं। यह कोई पब्लिसिटी-स्टंट नहीं है। इस घोषणा से पहले, प्रमुख टेक-कंपनियों के प्रतिनिधि ट्रम्प प्रशासन के साथ निजी तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि इसका उन देशों की सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ेगा, जो इन असुरक्षित सॉफ्टवेयर प्रणालियों का उपयोग करते हैं। एंथ्रोपिक ने अपने एक लिखित बयान में कहा कि पिछले केवल एक महीने में ही माइथोस प्रिव्यू ने हजारों गंभीर कमजोरियों की पहचान की है। ये हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में शामिल हैं। एआई जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर ऐसी क्षमताओं का व्यापक होना अब दूर नहीं है। और संभव है कि वे उन पक्षों से भी आगे फैल जाएं, जो इन्हें सुरक्षित रूप से उपयोग करने की बात करते हैं।सुपर-इंटेलिजेंट एआई अपेक्षा से कहीं तेजी से सामने आ रहा है। यह तो पहले से स्पष्ट था कि एआई किसी भी व्यक्ति- चाहे उसकी कम्प्यूटर साक्षरता का स्तर कुछ भी हो- को सॉफ्टवेयर कोड लिखने में असाधारण रूप से सक्षम बना रहा है। लेकिन बताया जाता है कि स्वयं एंथ्रोपिक ने भी यह अनुमान नहीं लगाया था कि यह इतनी जल्दी, इतनी दक्षता के साथ, मौजूदा कोड में खामियों को खोजने और उनका दोहन करने के तरीकों को पहचानने में सक्षम हो जाएगा। क्लॉड माइथोस ने हर प्रमुख ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में गंभीर कमजोरियों की पहचान की है- ये ऐसे सिस्टम हैं, जिन पर दुनिया भर में बिजली ग्रिड, जल आपूर्ति तंत्र, एयरलाइन आरक्षण प्रणालियां, रीटेलिंग नेटवर्क, सैन्य प्रणालियां और अस्पताल निर्भर हैं। यदि यह टूल व्यापक रूप से उपलब्ध हो जाता है, तो इसका अर्थ होगा कि किसी भी प्रमुख बुनियादी ढांचे की प्रणाली को हैक करने की क्षमता- जो पहले केवल निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों और खुफिया एजेंसियों तक सीमित ?थी और जो एक कठिन और महंगा कार्य था- अब हर आपराधिक तत्व, आतंकी संगठन, देश के लिए सुलभ हो सकती है। इस समस्या का समाधान दुनिया का कोई भी देश अकेले नहीं कर सकता। शुरुआत दो एआई महाशक्तियों- अमेरिका और चीन को करनी होगी। यह बहुत जरूरी हो गया है कि वे आपस में सहयोग करना सीखें, ताकि बुरी ताकतें इस साइबर क्षमता तक पहुंच न बना सकें। यह उतना ही बुनियादी महत्व का है, जितना एटमी हथियारों के बाद परमाणु अप्रसार संधियां थीं। जटिल साइबर हैकिंग अभियानों को विकसित करने की जो क्षमता पहले बड़े देशों, सेनाओं, कंपनियों और बड़े बजट वाले आपराधिक संगठनों तक सीमित थी, वह अब छोटे समूहों को भी उपलब्ध हो सकती है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि वे केवल जिम्मेदार हाथों तक ही सीमित रहें। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,थॉमस एल. फ्रीडमैन)

न्यायाधीश को सियासी दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

इस वर्ष की शुरुआत में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब नीति मामले में ट्रायल कोर्ट ने इस आधार पर आरोपमुक्त कर दिया कि उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता है। इस फैसले को सीबीआई ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान मामले ने तब अप्रत्याशित मोड़ लिया, जब केजरीवाल ने एक

आवेदन दायर कर यह मांग की कि सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा इस मामले से स्वयं को अलग कर लें, क्योंकि उन्हें पक्षपात की आशंका है। यद्यपि इस आवेदन को खारिज कर दिया गया, लेकिन यह घटना एक परिचित प्रश्न को फिर सामने लाती है- आखिर किसी जज को कब किसी मामले की सुनवाई से अलग होना चाहिए? भारत में रीक्यूजल (स्वयं को अलग करने) का कानून अपेक्षाकृत स्पष्ट है, भले ही उसके प्रयोग पर अकसर बहस होती रहती हो। इसका मूल परीक्षण यह है कि क्या एक सामान्य, समझदार व्यक्ति के मन में पक्षपात की आशंका उत्पन्न होती है। यह कोई हल्का मानदंड नहीं है। अदालतों ने लगातार यह कहा है कि ऐसी आशंका ठोस तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल अस्पष्ट संदेह या राजनीतिक असहमति पर। समय के साथ कुछ सीमित और स्पष्ट आधार विकसित हुए हैं- जैसे आर्थिक हित, उसी मामले में पूर्व भागीदारी, या किसी पक्ष के साथ निकट व्यक्तिगत संबंध। इनसे परे, विशेषकर वैचारिक या संस्थागत पक्षपात के आरोपों में, मापदंड काफी ऊंचा होता है। अकसर देखा गया है कि उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लेते हैं। गुजरात और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों में राहुल गांधी से जुड़े कई मामलों में न्यायाधीशों ने बिना कारण बताए स्वयं को अलग किया है। कई बार इसे न्यायाधीश का अपने दायित्व से विमुख होना भी माना गया। लेकिन केजरीवाल के मामले में स्थिति उलट थी। यहां न्यायाधीश सुनवाई के लिए तैयार थे, परंतु पक्षकार को आपत्ति थी। रीक्यूजल आवेदन में कई आधार प्रस्तुत किए गए- जैसे न्यायाधीश द्वारा पहले दिए गए आदेश, कुछ तकनीकी आपत्तियां और न्यायाधीश के परिजनों का सरकारी पेनलों में शामिल होना। अदालत ने इन तर्कों को इस आधार पर खारिज कर दिया कि वे पक्षपात की आशंका स्थापित नहीं करते। अदालत का यह निर्णय उचित था- किसी भी न्यायिक निर्णय में एक पक्ष संतुष्ट होगा और दूसरा असंतुष्ट। हारने वाला पक्ष यह तय नहीं कर सकता कि वह उसी न्यायाधीश के सामने पेश नहीं होगा। यही बात न्यायाधीश के परिजनों के पेशेवर जीवन पर भी लागू होती है। सबसे विवादास्पद तर्क वैचारिक निकटता से जुड़ा था। यह कहा गया कि जस्टिस शर्मा ने अधिवक्ता परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया है, जो एक ऐसा संगठन है, जिसकी वैचारिक दिशा याचिकाकर्ता और उनकी राजनीतिक पार्टी के विपरीत है। भारत में संवैधानिक परंपरा ने कभी भी केवल वैचारिक या राजनीतिक संबद्धता को रीक्यूजल का आधार नहीं माना है। इस संदर्भ में जस्टिस वीआर कृष्ण अय्यर का उदाहरण महत्वपूर्ण है। सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति से पहले वे कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े रहे थे और केरल सरकार में कानून मंत्री भी थे। उस समय यह आशंका जताई गई थी कि उनकी विचारधारा उनके निर्णयों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन उनके कार्यकाल ने सिद्ध किया कि पूर्व वैचारिक जुड़ाव अपने आप में न्यायिक पक्षपात में परिवर्तित नहीं होता। उन्होंने मजदूरों, कैदियों, महिलाओं और बच्चों जैसे वंचित वर्गों के अधिकारों पर कई प्रगतिशील फैसले दिए। इससे यह सिद्धांत और मजबूत होता है कि जज बनने के बाद न्यायाधीश कानून से बंधा होता है। यही सिद्धांत उन आरोपों पर भी लागू होता है जो सार्वजनिक मंचों में भागीदारी के आधार पर लगाए जाते हैं। केवल इस आधार पर कि किसी न्यायाधीश ने किसी विशेष संगठन के कार्यक्रम में भाग लिया है- जो कि न्यायिक समुदाय में असामान्य नहीं है- पक्षपात की उचित आशंका नहीं मानी जा सकती। इसके लिए यह दिखाना आवश्यक है कि उस भागीदारी और विवादित मामले के बीच कोई स्पष्ट और प्रत्यक्ष संबंध है। यदि सामान्य वैचारिक जुड़ाव ही रीक्यूजल का आधार बन जाए, तो संवैधानिक निर्णय असम्भव हो जाएंगे। यह घटना न्यायपालिका को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की बढ़ती प्रवृत्ति को भी दर्शाती है। राजनीतिक मुद्दों पर संघर्ष सड़कों और संसद में होना चाहिए, अदालतों में नहीं। पक्षकारों को समझना चाहिए कि बार-बार रीक्यूजल की मांग न्याय प्रणाली को प्रभावित करती है। वहीं न्यायाधीशों को भी अब अपने शब्दों और आचरण के प्रति जिम्मेदार रहना होगा। (ये लेखकों के अपने विचार हैं,अर्घ्य सेनगुप्ता और स्वप्निल त्रिपाठी)

किसी के लिए उम्मीद ही सबसे अच्छा गिफ्ट हो सकता है

सुगि अमाया (29) की कहानी किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि एक सन्नाटे के साथ शुरू हुई। जुलाई 2022 में उनका संसार बिखर गया, जब उनके 24 साल के भाई एलेक्सिस को पापा जॉन्स पिज्जेरिया से लेट-नाइट शिफ्ट

करके लौटते वक्त पुलिस ने पकड़ लिया। आरोप एल-साल्वाडोर का वही जाना-पहचाना था- गैंग से जुड़ाव। किसी ट्रायल और कानूनी रास्ते के बगैर ही एलेक्सिस को वो जेल सिस्टम निगल गया, जो पूरे देश के लिए पुलिसिया जाल बन चुका था।यह सेंट्रल अमेरिका के सबसे छोटे देश एल-साल्वाडोर की हकीकत है। 2022 की शुरुआत में हत्याओं में तेज बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने आपातकाल लगा दिया। जो कदम अपराध के खिलाफ शुरू हुआ, धीरे-धीरे ऐतिहासिक सख्ती में बदल गया। आज इस देश में दुनिया की सर्वाधिक कारावास दर है, जहां कार्रवाई की शुरुआत से अब तक 91 हजार से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। यह वयस्क आबादी का करीब 2फीसदी है। मानवाधिकार संगठनों ने चेताया है कि 'अरेस्ट कोटा' के चलते पुलिस गरीबों को निशाना बना रही है। एलेक्सिस जैसे लोगों को अकसर सिर्फ टैटू या अनजान सूचना के आधार पर पकड़ लिया जाता है। नतीजतन, इस देश में बहुत बड़ा विरोधाभास है। आंकड़ों में तो एल-साल्वाडोर दुनिया के सबसे हिंसक देशों में से एक से बदलकर पश्चिमी गोलार्ध के सबसे सुरक्षित देशों में शामिल हो गया। लोग नई आजादी की बात करते हैं- मसलन, रात में बेखौफ चल पाना या बिना वसूली के दुकान चला पाना। लेकिन इस सुरक्षा की भयानक कीमत पीछे छूट गए परिवारों को चुकानी पड़ी है। बुनियादी सुविधाओं की किल्लत वाली और भीड़ भरी जेलों में बंद रिश्तेदारों के लिए खाना और दवाएं जुटाना गरीबों के जीवन का संघर्ष बन गया है। एलेक्सिस की गिरफ्तारी के बाद सुगि का जीवन राजधानी सैन-साल्वाडोर के एक कन्वर्टेड मूवी थिएटर के बाहर के फर्श तक सिमट गया है। यह जगह जटिल जेल सिस्टम में आने-जाने वालों के लिए ठहराव स्थल है। जेल की दीवारों की छांव अब सुगि का दूसरा घर बन गई है। भाई की गैरमौजूदगी की इस रिक्तता में कड़वाहट उनके मन में आ सकती थी। लोहे के इन दरवाजों में उन्हें सिर्फ दुश्मन ही दिख सकते थे। लेकिन उन्होंने इनमें एक आईना देखना चुना। बच्चों को अपनी मां के पास छोड़कर सुगि रात भर इंतजार करती हैं। एल-साल्वाडोर में कैदियों की रिहाई बहुत कम और अकसर बिना सूचना के तड़के ही होती है। तब कोई रिश्तेदार कागजों पर साइन करने के लिए न हो तो कैदी वापस भीतर भेज दिया जाता है। इसे रोकने के लिए सुगि अजनबियों के लिए वहां रहती हैं। वह बिना किसी सोच-विचार के एक साफ शर्ट और जूते लेकर रिहा हुए लोगों के पास जाती हैं और रिलीज फॉर्म पर साइन करती हैं। धीरे से कहती हैं, 'अब आप ठीक हैं।' सुगि की आवाज उन्हें फिर से जिंदगी से जोड़ती है। जरूरतमंदों को वह घर जाने का किराया देती हैं और जिनके पास कोई जगह नहीं, सुगि का छोटा-सा घर ही ठिकाना होता है- जहां गर्म खाने और बिस्तर से उनका 'क्रिमिनल' का टैग धुल जाता है। जब लोग पूछते हैं कि वे अनजान लोगों के लिए क्यों गंदगी में रातें बिताती हैं, तो सुगि को रही हैं, जिसमें वे चाहती हैं कि उनका भाई लौटे। आज सुगि का मिशन बढ़ चुका है। पूरे अमेरिका महाद्वीप से परिवार उन्हें मदद भेजते हैं। जिनकी उन्होंने मदद की थी, वे इसमें योगदान दे रहे हैं।अब वे कानून की छात्रा हैं, लेकिन उनका 'फुल-टाइम जॉब' दूसरों के लिए जेल सिस्टम से जूझना ही है।

फंडा यह है कि अजनबियों को बचाने के इस काम में सुगि ने खुद को निराशा से बचा लिया और साबित किया कि उम्मीद बांटी जाए तो यह सबसे ताकतवर तोहफा बन जाती है। (एन. रघुरामन)

युद्ध को लेकर ट्रम्प के पास अब समय कम ही बचा है

अमेरिका-ईरान युद्ध को चलते अब दो माह हो गए। वेनेजुएला के अनुभव से अति-उत्साहित होकर अमेरिका ने सोचा था कि ईरान पर अचानक हमला और उसके सर्वोच्च नेता समेत शीर्ष अधिकारियों की हत्या की रणनीति से युद्ध कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। लेकिन रणनीति सफल नहीं हुई। ईरान में सत्ता परिवर्तन हुआ, लेकिन अब वहां इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का शासन चल रहा है। ईरान में दो समानांतर सैन्य ढांचे हैं। 'आर्तेश' नियमित सेना के तौर पर परंपरागत प्रतिरक्षा का जिम्मा संभालती है, जबकि आईआरजीसी का काम क्रांति की रक्षा करना है। एक सेना राष्ट्रपति के जरिए सर्वोच्च नेता को रिपोर्ट करती है, जबकि दूसरी सीधे उन्हीं को। अमेरिका-इजराइल की शुरुआती बमबारी के बाद 'बंधक संकट' सामने आया। ईरान ने खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों और हॉर्मुज स्ट्रेट को एक तरह से बंधक बना लिया। इस स्थिति से निपटने के दो विकल्प थे। पहला, मिलिट्री एस्केलेशन यानी ईरानी जमीन पर सैनिक भेजना और ईरानी ढांचों पर हमले। और दूसरा, कूटनीतिक समझौता। ट्रम्प ने दूसरा रास्ता चुनते हुए ईरान को बड़ी आर्थिक रियायतों की पेशकश की है। बदले में उसके संवर्धित यूरेनियम भंडार सौंपने और हॉर्मुज को खोलने की मांग की है। ट्रम्प के दावों के विपरीत ईरान ने प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उसे लगता है कि वे भरोसे लायक नहीं और उनकी मांग ईरान के आत्मसमर्पण जैसी है। अमेरिका जो पेशकश कर रहा है, वह 2015 की संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) और उन प्रस्तावों से भी बदतर है, जो युद्ध से पहले ओमान की मध्यस्थता वाली बातचीत में ?दिए गए थे। ईरान को यह भी लगता है कि अब इसे स्वीकार करने की बाध्यता नहीं, क्योंकि सत्ता परिवर्तन तो वह झेल ही चुका है। साथ ही उसने यह भी जान लिया है कि हॉर्मुज स्ट्रेट बंद करना आर्थिक युद्ध में बेहद प्रभावी हथियार है। फिलहाल

अमेरिका को यह समझना चाहिए था कि सैन्य अभियान से क्या हासिल हो सकता है। सैन्य क्षमता के लिहाज से ईरान अमेरिका का मुकाबला नहीं कर सकता, लेकिन उसके पास बैलिस्टिक मिसाइलों और प्रॉक्सी नेटवर्क जैसी अहम क्षमताएं हैं। अमेरिका को यह भी पता होना चाहिए ?था कि इस्लामिक शासन की आंतरिक एकजुटता और संगठित विपक्ष के अभाव के चलते वहां सत्ता परिवर्तन आसान नहीं।

साथ ही, इसके लिए जमीनी सैन्य अभियान जरूरी है, जो अमेरिका चाहता नहीं था। अमेरिका-इजराइल के सैन्य हमलों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी नुकसान जरूर पहुंचाया है, लेकिन इससे को कम किया जा सकता है, लेकिन खत्म करना मुश्किल है। खासकर, इस हथियार कार्यक्रम को सपोर्ट करने वाले तकनीकी ज्ञान और औद्योगिक ढांचे को। सच तो यह है कि अमेरिका-इजराइल ने खामेनेई एवं अन्य नेताओं की हत्या करके बड़ी गलती कर दी। अब ट्रम्प खुद ही कह रहे हैं कि ईरान में नेतृत्व बिखरा हुआ है और बातचीत के लिए कोई है ही नहीं। संघर्ष विराम बढ़ाने और समुद्री नाकेबंदी कड़ी करने से अमेरिका को समय मिल सकता है, लेकिन इससे ईरान झुकेगा नहीं। नाकेबंदी का असर दिखने में महीनों लग सकते हैं। ट्रम्प में इतना धैर्य नहीं। नवंबर में चुनाव भी हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं, मनोज जोशी)

कर्ज से परेशान पाकिस्तान ने शराब एक्सपोर्ट शुरू किया,गैर मुस्लिम देशों को सप्लाई,50 साल पहले मज़हब का हवाला देकर बैन किया था

इस्लामाबाद। कर्ज से जूझ रहे पाकिस्तान ने 50 साल बाद फिर से दूसरे देशों को शराब बेचना शुरू कर दिया है। देश की इकलौती लोकल रही थी मरी ब्रूअरी-पिछले कई सालों से मरी ब्रूअरी सिर्फ नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स का एक्सपोर्ट कर रही थी। इसमें पैकेज्ड जूस, मिनरल वाटर और फ्रूट थी कि नए कैसीनो खाड़ी देशों और यूरोप से बहुत से टूरिस्ट पाकिस्तान आएंगे। जब भुट्टो ने शराब और नाइट क्लब पर रोक लगाने का फैसला हासिल करना आसान हो गया था। दावा- शराब बैन की वजह से कई लोग हेरोइन की तरफ चले गए- पाकिस्तान के धार्मिक संगठन आज

कंपनी मरी ब्रूअरी ने अप्रैल 2026 में ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल और थाईलैंड जैसे देशों को बीयर और अन्य अल्कोहलिक ड्रिंक्स एक्सपोर्ट की हैं। कंपनी के एक्सपोर्ट मैनेजर रमीज शाह के मुताबिक, अभी शुरुआत में विदेशों में नेटवर्क बनाया जा रहा है और आगे चलकर प्रोडक्शन बढ़ाने की योजना है। पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी के लिए करीब 50 साल पहले इस्लामिक नियमों का हवाला देकर शराब पर बैन लगाया गया था। इसके बाद शराब का एक्सपोर्ट भी बंद हो गया था। हालांकि, पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के लिए कुछ छूट थी। पाकिस्तान सरकार ने 2025 में शराब एक्सपोर्ट की अनुमति दी थी, जिसके बाद अब उन देशों में सप्लाई शुरू की गई जो ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) का हिस्सा नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार की कमाई और खर्च के बीच बड़ा अंतर है। वित्त वर्ष 2026 में सरकार की वास्तविक आय करीब 11,072 अरब पाकिस्तानी रुपए (40 अरब डॉलर) है, जबकि खर्च 16,286 अरब रुपए (58 अरब डॉलर) तक पहुंच चुका है। इसमें से करीब 8,200 अरब रुपए (30 अरब डॉलर) सिर्फ कर्ज के ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं।

पाकिस्तान पर इस समय लगभग 38,640 अरब पाकिस्तानी रुपए (138 अरब डॉलर) का बाहरी कर्ज है। इसमें सरकारी कर्ज के अलावा निजी क्षेत्र, बैंकों और कंपनियों की देनदारियां भी शामिल हैं। इसमें से करीब 25,760 अरब पाकिस्तानी रुपए (92 अरब डॉलर) सरकारी कर्ज है। पहले नॉन-अल्कोहलिक प्रोडक्ट ही बेच फ्लेवर वाली ड्रिंक्स शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कमाई 100 मिलियन डॉलर (28 अरब पीकेआर) रही। कंपनी के सीईओ इस्फानयार भंडारा ने एक्सपोर्ट लाइसेंस के लिए कोशिश की थी। 2021 में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में एक चीनी कंपनी को भी शराब बनाने की इजाजत दी थी, ताकि वहां काम कर रहे चीनी नागरिकों की जरूरतें पूरी हो सकें। बैन से पहले मरी ब्रूअरी भारत, अफगानिस्तान और अमेरिका जैसे देशों में शराब का निर्यात करती थी। अब एक बार फिर कंपनी विदेशी बाजार में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। भुट्टो ने शराब की बिक्री पर रोक लगाई थी-अप्रैल 1977 में पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो ने देश में शराब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। उस वक्त भुट्टो सरकार के खिलाफ एक बड़ा और हिंसक विरोध आंदोलन चल रहा था। भुट्टो पर 1977 के चुनाव में धांधली करने के अलावा 'पश्चिमी लाइफस्टाइल' अपनाने जैसे आरोप लग रहे थे। जब भुट्टो ने इन विपक्षी नेताओं से बातचीत शुरू की, तो उनकी कुछ मांगें थीं। जैसे नाइट क्लब और बार बंद किए जाएं और शराब की बिक्री पूरी तरह रोकी जाए। इसी दबाव में भुट्टो सरकार ने कराची में बनने वाले एक बड़े कैसीनो की योजना भी रद्द कर दी। इस कैसिनों को मई 1977 में शुरू होना था। यह कैसीनो एक कारोबारी तुफैल शेख बना रहे थे, जिनके पुराने सैन्य शासक अयूब खान और बाद में भुट्टो सरकार से अच्छे संबंध थे। शेख पहले से ही कराची के सहर इलाके में होटल और नाइट क्लब चलाते थे और उन्हें उम्मीद किया, तो शेख परेशना हो गए। लेकिन भुट्टो ने उन्हें भरोसा दिया कि यह सिर्फ कुछ समय के लिए है और हालात ठीक होते ही इसे खत्म कर दिया जाएगा। जिया उल हक ने और सख्त कानून बनाए-कागज पर भले ही बार और शराब की दुकानें बंद हो गई थीं, लेकिन होटलों और दुकानों के पीछे के रास्तों से शराब आसानी से मिल रही थी। लेकिन भुट्टो ज्यादा दिन सत्ता में नहीं रह पाए। जुलाई 1977 में एक सैन्य शासक जिया उल हक ने उनकी सरकार गिरा दी। जिया ने सत्ता में आने के बाद इस कानून को और सख्त कर दिया और इसे इस्लामी कानून से जोड़ दिया। इसमें साफ कहा गया कि मुसलमानों के लिए शराब बेचना और पीना गैरकानूनी है और इसके लिए कड़ी सजा होगी। हालांकि एक रास्ता छोड़ा गया- लाइसेंस वाली शराब की दुकानें। ये दुकानें सिर्फ गैर-मुस्लिम लोगों के नाम पर चल सकती थीं और उन्हें ही शराब बेचने की अनुमति थी। विदेशी लोग भी सरकार से परमिट लेकर वहां से शराब खरीद सकते थे। मुशरर्फ ने कानून में ढील दी-समय के साथ पाकिस्तान में ऐसी लाइसेंस वाली शराब की दुकानों की संख्या बढ़ती गई, खासकर सिंध और बलूचिस्तान में, जैसे कराची और क्वेटा में। जनरल परवेज मुशर्रफ के दौर (1999-2008) में ये और बढ़ीं। मुशर्रफ खुद को उदारवादी बताते थे। उन्होंने 1979 के कानून को हटाने की कोशिश की, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों के कारण ऐसा नहीं कर पाए। हालांकि उनके समय में शराब से जुड़े कानून को लागू करने में ढील दे दी गई। इस वजह से मुसलमानों के लिए भी शराब भी कहते हैं कि सरकारें शराबबंदी को सही तरीके से लागू नहीं करतीं। वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग कहते हैं कि इस पाबंदी ने अवैध शराब माफिया को जन्म दिया और जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हुई। उनका यह भी कहना है कि शराब पर रोक के कारण कई लोग हेरोइन की तरफ चले गए, जो कहीं ज्यादा खतरनाक है। एक आंकड़ा इस बात को दिखाता है कि 1979 में पाकिस्तान में हेरोइन के सिर्फ दो मामले सामने आए थे, लेकिन 1985 तक पाकिस्तान दुनिया में हेरोइन के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में शामिल हो गया। 2008 की एक स्टडी में भी पाया गया कि 1977 और 1979 की पाबंदियों के बावजूद पाकिस्तान में शराब का सेवन जारी रहा, क्योंकि अवैध तरीके मौजूद थे। इससे यह बात सामने आती है कि कानून बनाकर लोगों की आदतों को पूरी तरह नहीं बदला जा सकता। दक्षिण एशिया में 5000 साल से शराब पी जा रही-धार्मिक लोग अक्सर कहते हैं कि शराब पीना इस्लाम के खिलाफ है और यह आदत अंग्रेजों के समय की देन है। लेकिन इतिहास कुछ और कहता है। दक्षिण एशिया में लोग 5000 साल से शराब पी रहे हैं। सिंधु घाटी सभ्यता में भी शराब बनाई जाती थी। तक्षशिला म्यूजियम में दुनिया के सबसे पुराने डिस्टिलर में से एक रखा है, जो मोहनजोदड़ो में मिला था।मुगल और दिल्ली सल्तनत के दौर में शराब, भांग और अफीम सब आम थे। कई शासक खुद शराब पीते थे। कुछ ने रोक लगाने की कोशिश की, लेकिन यह पूरी तरह सफल नहीं हुई।

भाजपा ने पोलिंग एजेंट तक परीक्षा लेकर बनाए,जनता ने 'बंगाली अस्मिता' की जगह 'डबल इंजन' चुना

कोलकाता। बंगाल ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 'बंगाली अस्मिता' नैरेटिव के मुकाबले पीएम नरेंद्र मोदी के 'डबल इंजन' के वादे को चुना। कमल की आंधी की दादागिरी और स्थानीय टीएमसी कैडर से नाराजगी निर्णायक रही। पश्चिमी औद्योगिक पट्टी आसनसोल, दुर्गापुर और बैरकपुर जैसे इलाकों में भाजपा सेक्युलर वोट टीएमसी के पक्ष में एकजुट माने जाते रहे हैं। पर, इस बार स्थिति अलग दिखी। मालदा की 12 में से 6 और उत्तर दिनाजपुर की 9 में से 4 भाजपा के खाते में मैदान में उतारा-भाजपा ने बंगाल में सिर्फ दिल्ली मॉडल नहीं चलाया। पुराने और वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो दी। वाजपेयी-आडवाणी के दौर से जुड़े रहे शमिक भट्टाचार्य प्रदेशाध्यक्ष बनाए।

में तृणमूल बिल्कुल तिनकों की तरह ही उड़ गई। भाजपा लंबे समय से संगठन के स्तर पर तैयारी में जुटी थी। पोलिंग एजेंट चुनने के लिए भी मौखिक और लिखित परीक्षाएं तक ली गई थीं। पिछले छह महीने से पार्टी का ध्यान दो लक्ष्यों के साथ जमीनी नेटवर्क पर रहा। पहला, ग्रामीण इलाकों में डर के माहौल का मुकाबला और सुनिश्चित करना कि वोटर पोलिंग बूथ तक पहुंचे। ग्राउंड पर तमाम प्रयासों का नतीजा ये रहा कि भाजपा अपने साथ नए वोटर्स को जोड़ने में सफल रही। पिछले चुनाव में टीएमसी का वोट शेयर 48.5फीसदी था, जो इस बार 40.80फीसदी रह गया। वहीं, भाजपा 38.4फीसदी से बढ़कर 45.85फीसदी वोट पर पहुंच गई। इसके पीछे हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण बड़ा कारण है। हालांकि, सिर्फ ध्रुवीकरण ही इकलौती वजह नहीं है। रोजगार की कमी, पलायन, औद्योगिक ठहराव, पंचायत स्तर ने बंद मिलों, नौकरी, लॉजिस्टिक्स हब और सिंडिकेट राज के खिलाफ अभियान चलाया। हर क्षेत्र में अलग रणनीति, कहीं ध्रुवीकरण तो कहीं रोजगार मुद्दा-बंगाल का राजनीतिक भूगोल बदल गया। 2021 में भाजपा उत्तर बंगाल, जंगलमहल और मतुआ बेल्ट में सिमटी थी। इस बार टीएमसी के गढ़ दक्षिण बंगाल में भी भगवा रंग में रंग गए। भाजपा ने हर क्षेत्र की अलग रणनीति बनाई। टीएमसी के गढ़ दक्षिण बंगाल में एंटी इंकंबेंसी, ध्रुवीकरण और गुंडागर्दी का मुद्दा उठाया। प्रेसीडेंसी में सीटें 14 से 27 तक पहुंच गईं। उत्तर बंगाल में चाय-बागान मजदूर और राजबंशी समुदाय साधा। जंगलमहल में आवास-पानी, राष्ट्रपति के अपमान जैसे मुद्दों से टीएमसी को पीछे धकेला। टीएमसी अल्पसंख्यक बेल्ट में टूटी-करीब 115 सीटें मुस्लिम बहुल हैं। इनमें से 69 पर टीएमसी जीती। करीब 39 सीटें भाजपा के खाते में गईं। मुस्लिम-गई। इससे टीएमसी की 'अभेद्य अल्पसंख्यक बेल्ट' का भरोसा कमजोर हुआ। मुर्शिदाबाद जैसे कोर मुस्लिम जिलों में टीएमसी का दबदबा अभी बचा है। यहां की 22 सीटों में से टीएमसी 9 और भाजपा 8 सीटें जीती। भाजपा की असली बढ़त चार बड़े इलाकों से आई। जंगलमहल-आदिवासी बेल्ट में 40 में से करीब 36 सीटें निकालकर टीएमसी की 2021 वाली वापसी को पलट दिया। उत्तर 24 परगना में भाजपा 33 में से 18 सीटों पर पहुंची। हुगली में भाजपा ने 18 में से 16 सीटें जीत टीएमसी के दक्षिण बंगाल किले को भी झटका दिया है। नदिया में भाजपा 17 में से 14 सीटों पर विजयी रही। यहां मतुआ-नामशूद्र और सीमावर्ती हिंदू वोट निर्णायक रहे। माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी सीट पर भाजपा के आनंदमय बर्मन ने टीएमसी के शंकर मालाकार को 1,04,265 वोटों से हराया। राज्य में जीत का सबसे बड़ा अंतर है।लोकल नेताओं को तवज्जो, पुराने लोगों को पद देकर सुवेंदु ग्रामीण बंगाल में चेहरा रहे। वहीं, भट्टाचार्य ने कोलकाता और उपनगरीय बंगाल के 'भद्रलोक' को जोड़ा। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष दिलीप घोष को सक्रिय किया। राहुल सिन्हा राज्यसभा सांसद बनाए। पीएम मोदी ने एक रैली में घोष से लेकर पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय तक बंगाल के वरिष्ठ नेताओं को मंच पर बुला अभिनंदन किया। ईडी 7 मामलों की जांच कर रही है, इन पर कार्रवाई तेज हो सकती हैभ्रष्टाचार संबंधी मामले नई सरकार की प्राथमिकता हो सकते हैं। शिक्षक भर्ती, नगरपालिका भर्ती, राशन घोटाला, कोयला तस्करी, मवेशी तस्करी और संदेशखाली सहित कम से कम सात मामलों की जांच ईडी कर रही है। इन पर कार्रवाई में तेजी आ सकती है। पुरानी फाइलों की पड़ताल भी शुरू हो सकती है। दूसरी तरफ, राज्य सरकार के समक्ष सातवां वेतन आयोग लागू करना, तीन हजार रुपए मासिक नकद सहायता और डीए देने जैसे वादों पर अमल की चुनौती भी रहेगी।

कालबैशाखी- आ रहा पूर्वी भारत के लिए 'काल', किस संकट में फंसने जा रहा बंगाल?

नयी दिल्ली। मई में मौसम का उलटफेर भारत समेत पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। वहीं, यूरोप के ग्रीस और तुर्की जैसे कुछ इलाकों में भीषण ठंड पड़ रही है। इस दौरान तूफानी हवाएं भी चल रही हैं तो कहीं बर्फबारी भी हो रही है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पड़ोसी देश बांग्लादेश में कालबैशाखी अपना कहर बरपाने वाली है। यह संकट अक्सर अप्रैल-मई में ही आता है। इस मौसम में भले ही गर्मी से निजात मिलती है, मगर इस तूफानी हवाओं की चपेट में आने से बड़ी तबाही आती है, जिसकी दस्तक ओडिशा और कोलकाता तक हो भी चुकी है। ट्यूजडे ट्रीविया में समझते हैं मौसम के मिजाज की कहानी। कालबैशाखी के चलते आंधी-तूफान की आशंका-द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, मौसम ने खूब करवट ली है। एशिया में खासकर मौसम ने अपना ध्यान उत्तर-पूर्वी भारत और बांग्लादेश पर केंद्रित कर लिया है। इन दोनों ही देशों में भीषण आंधी-तूफान की आशंका जताई जा रही है। भारत और बांग्लादेश के मौसम विभाग ने इस क्षेत्र में मानसून से पहले

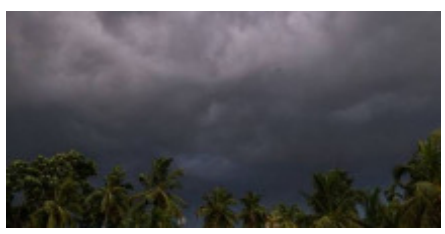

आने वाले आंधी-तूफान के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है। मौसम की इन देशों में कलाकारी को कालबैशाखी भी कहा जाता है। कालबैशाखी क्या है, जो मचा देती है तलहका-कालबैशाखी यानी नार्वेस्टर एक हिंसक प्री-मानसून गरज के साथ तूफानी हवाएं हैं, जो अप्रैल-मई में चलती हैं। इन्हें बंगाली बैसाखी महीने में आने की वजह से कालबैशाखी कहा जाता है। ये पूरे पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बांग्लादेश में चलती हैं। इनकी वजह से भारी बारिश, तेज हवाएं, ओले पड़ते हैं। ये गर्मियों से राहत दिलाती हैं, मगर इनसे बड़े पैमाने पर खेती को नुकसान पहुंचता है। हाल ही में ओडिशा में कालबैशाखी ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके मई में अभी और चलने की आशंका है। कैसे पैदा होती है कालबैशाखी-कालबैशाखी तूफानी हवाएं छोटा नागपुर पठार से पैदा होती हैं। ये तब पैदा होती है, जब गर्म सूखी हवा और बंगाल की खाड़ी की नमी वाली हवाएं आपस में मिलती हैं। ये मानसून से पहले पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड और असम में कहर बरपाती है। कालबैशाखी के आने से सैकड़ों पेड़ गिर जाते हैं, इमारतें ढह जाती हैं, बिजली के खंभे उखड़ जाते हैं। ये आम और फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। ओले, तेज हवाएं और बिजली गिरने की आशंका-भारतीय मौसम विभाग ने भी इस सोमवार और मंगलवार को सिर्फ तीन घंटे में 50 मिमी से अधिक बारिश की आशंका जताई थी। इसमें दिन भर में लगभग 100 मिमी बारिश दर्ज की जा सकती है। ओले, तेज हवाएं और लगातार बिजली गिरने जैसे अन्य खतरे भी हैं। हालांकि, भीषण आंधी-तूफान के लिए इतनी बारिश असामान्य नहीं है, लेकिन हिमालय की तलहटी में ढलान वाले इलाकों में तेज बारिश से व्यवधान पैदा हो सकता है। साथ ही अचानक बाढ़ और भूस्खलन से जानमाल का नुकसान भी हो सकता है। उत्तर से लेकर दक्षिणी प्रायद्वीप तक मौसम में बदलाव-एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, हिमालय की तलहटी से लेकर दक्षिणी प्रायद्वीप तक, भारत का मौसम तेजी से बदल रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने एक व्यापक पूर्वानुमान जारी किया है जिसमें मई की शुरुआत तक नई दिल्ली, पूर्वी तट और पूर्वोत्तर में भारी बारिश और गरज के साथ तूफान आने की संभावना जताई गई है। दिल्लीः गरज के साथ 70 की स्पीड से तूफानी हवा-दिल्ली के लिए फिलहाल 'यलो' अलर्ट जारी किया गया है, जहां 6 मई तक रुक-रुक कर बारिश और बादल छाए रहने की आशंका है। हवा की गति 30-50 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि कुछ इलाकों में गरज के साथ तूफान आने पर हवा के झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। आईएमडी की नवीनतम सलाह के अनुसार, आने वाले दिनों में पूर्वोत्तर, पूर्वी तट, दक्षिणी राज्यों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, गरज के साथ तूफान और तेज हवाओं का असर पड़ने की आशंका है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पूर्वोत्तर (असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश) पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वायुमंडलीय हालातों में महत्वपूर्ण बदलाव से उत्तर और मध्य भारत में चल रही भीषण गर्मी की लहर के टूटने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है और अब मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है, जिससे तूफानी मौसम का दौर शुरू होगा, जिसमें गरज के साथ बारिश, तेज हवाएं और ठंडक मिलेगी। असम, मेघालय, सिक्किम और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश का पूर्वानुमान है, जबकि अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश की संभावना है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 50 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं भी चल सकती हैं।बिहार-झारखंड और ओडिशा में बारिश-बिजली- पूर्वी मैदानी इलाकों से मौसम प्रणाली के गुजरने के कारण बिहार, झारखंड और ओडिशा के निवासियों को गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं के लिए तैयार रहना चाहिए। केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज के साथ बारिश होगी, लेकिन तमिलनाडु के साथ-साथ इन राज्यों के अधिकांश हिस्सों में गर्मी और उमस बनी रहेगी। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी में 65 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाओं और ऊंची लहरों की चेतावनी जारी की है, जिससे

मिमी बारिश दर्ज की जा सकती है। ओले, तेज हवाएं और लगातार बिजली गिरने जैसे अन्य खतरे भी हैं। हालांकि, भीषण आंधी-तूफान के लिए इतनी के साथ तूफान आने पर हवा के झोंके ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के तट प्रभावित हो सकते हैं। मछुआरों को तट पर ही रहने की सलाह दी गई है।

लेंसकार्ट-भारत का पहला स्मार्ट चश्मा लॉन्च करेगी ये कंपनी, बिंदी तिलक के कारण घिरी थी विवादों में

नयी दिल्ली। चश्मा आज तक नजर सुधारने का जरिया रहा है, लेकिन अब वह आपकी जेब में रखा एक फोन भी हो सकता है। दरअसल बीते दिनों है। 'बी बाई लेंसकार्ट' देखने में जितना स्टाइलिश है, अंदर से उतना ही पावरफुल भी है। यह चश्मा स्नैपड्रैगन स्नैपड्रैगन एआर1 जेन-1 चिपसेट के साथ टेक्नोलॉजी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन बताया जा रहा है। कैमरा और एआई का मेल-रिपोर्ट्स के मुताबिक लेंसकार्ट ने अपने स्मार्ट चश्मों को कंप्लीट पैकेज बनाते हैं।

अगर आपने इन चश्मों को पहना होगा, तो आपको हर छोटे काम के लिए जेब से फोन बाहर निकालने की जरूरत नहीं

बिंदी-तिलक को लेकर विवादों में रही लेंसकार्ट ने अपने स्मार्ट ग्लासेस 'बी बाई लेंसकार्ट' की घोषणा कर दी है, जो कि भारत में अर्ली एक्सेस के लिए उपलब्ध हैं।

अगर आप इसे ट्राई करना चाहते हैं, तो इनकी वेबसाइट पर जाकर वेटिंग लिस्ट को जॉइन कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार गूगल जेमिनी एआई असिस्टेंट से लैस इस स्मार्ट चश्मे को 22,000 रुपये की अर्ली एक्सेस कीमत पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

बता दें वैसे इस डिवाइस की कीमत 27,000 रुपये रहने वाली आएगा, जो कि इसे सुपर फास्ट बनाता है। इसमें 32जीबी की ऑनबोर्ड स्टोरेज दी गई है, ताकि आप अपना जरूरी डेटा आसानी से स्टोर कर सकें।इसके अलावा लेंसकार्ट इसमें जापानी अल्ट्रा-थिन ब्लू लाइट लेंस दिए हैं, जो माइन्स6 से प्लस6 तक की आई पावर के लिए सही हैं।

यह ब्लैक और सिल्वर कलर ऑप्शन में उपलब्ध होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार इसका वजन सिर्फ 45 ग्राम है, इसलिए इसे लंबे समय तक पहनने में परेशानी नहीं होगी।

यह चश्मा स्टाइल और जबरदस्त कैमरा और एआई से लैस बनाया है। इसमें 12-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड सोनी सेंसर मिलेगा, जो लैंडस्केप में 1080पी और पोर्ट्रेट मोड में 1440पी क्वालिटी में वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। इसके अलावा गूगल जेमिनी का इंटीग्रेशन इसे बेहद खास बनाता है। इसे आप अपनी आवाज से आसानी से कंट्रोल कर सकेंगे। यह 40 से ज्यादा भाषाओं को सपोर्ट करता है और इसमें लुक एंड टेल और लाइव नोट टेकिंग जैसे कमाल के फीचर्स भी मिलेंगे।टच कंट्रोल्स और डुअल-डायरेक्शनल स्पीकर इसे एक रहेगी।

स्मार्ट चश्मों की बैटरी को लेकर अक्सर चिंता देखी जाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'बी बाई लेंसकार्ट' में बैटरी लाइफ का पूरा ध्यान रखा गया है। एक बार चार्ज करने पर यह स्मार्ट चश्मा 4 घंटे तक लगातार चल सकता है। इसके साथ आने वाला वायरलेस चार्जिंग केस इसे और भी खास बनाता है, जो कुल मिलाकर 48 घंटे तक का बैकअप देता है। अगर आप जल्दी में हैं, तो इसकी फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी सिर्फ 15 मिनट में इसे 50 प्रतिशत तक चार्ज कर देगी।

स्वगणना अभियान को सफल बनाने हेतु जिलाधिकारी की सख्त निर्देशों के साथ बैठक, 7 से 21 मई तक चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में प्रस्तावित स्वगणना अभियान को सफल, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनटीपीसी रिहन्द, एनसीएल ककरी, अल्ट्राटेक, हिण्डालको एवं ग्रासिम इंडस्ट्रीज सहित जनपद में संचालित अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक इकाइयों के आवासीय परिसरों में निवासरत परिवारों के मुखिया अपने-अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से स्वगणना प्रक्रिया को स्वयं पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि स्वगणना अभियान 7 मई से प्रारंभ होकर 21 मई तक संचालित किया जाएगा, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के समस्त डिग्री कॉलेजों एवं इंटरमीडिएट शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं को स्वगणना की विधि का प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी प्रदान की जाए, ताकि

वे अपने परिवार, मोहल्ले एवं गांव के लोगों को इस प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। इसके अतिरिक्त आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों, रोजगार सेवकों, पंचायत सहायकों एवं स्वयं सहायता समूह की सखियों को भी इस अभियान से जोड़ते हुए उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के डिग्री कॉलेजों, आईटीआई संस्थानों तथा राजकीय वित्तपोषित एवं वित्तविहीन विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। पोस्टर, बैनर, सोशल मीडिया, प्रचार वाहन एवं अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजन को स्वगणना के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। यह न केवल सटीक आंकड़े उपलब्ध कराने में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री वागीश कुमार शुक्ला, जनगणना अधिकारी सुश्री प्रियांशा सिंह, जनगणना सहायक श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एल-2 हॉस्पिटल में वेतन न मिलने पर सुपरवाइजर ने सफाई कर्मी को दी गाली, काम ठप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शुक्रवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय हॉस्पिटल सोनभद्र के एल-2 में सफाई कर्मी एसएमसी का वेतन न आने तथा जिला संयुक्त चिकित्सालय में एसएमसी सफाई कर्मचारी का वेतन आ जाने के कारण विवाद हो गया। सफाई कर्मी दिनेश ने मोबाइल नंबर के जरिए अपने हेड सुपरवाइजर देवमणि ओझा को कॉल कर वेतन न आने का कारण पूछा। आरोप है कि इस पर सुपरवाइजर द्वारा सफाई कर्मी को मां-बहन की गालियां दी गईं। बात सामने आने के बाद नाराज सफाई कर्मियों ने सफाई का कार्य छोड़ दिया। एल2 हॉस्पिटल के प्रभारी अवनीश शाह द्वारा समझाए जाने के बाद सफाई कर्मी काम पर वापस लौटे। कर्मचारियों का कहना है कि जिला अस्पताल के एसएमसी सफाई कर्मियों का वेतन आ गया है, जबकि एल2 में तैनात कर्मियों का वेतन अब तक नहीं आया है। इस भेदभाव से कर्मचारियों में रोष है। मामले को लेकर कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप कर वेतन भुगतान और दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की मांग की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत अमोखर विकास खंड -जिला- सोनभद्र

पत्रांक/ मेमो/टेंडर सूचना/2026/27 दिनांक-9-5-2026

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अमोखर में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा / VB-G RAM G / राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त /SLWM/SBM/RGSA /SNA अन्य निधियो से प्राप्त धनराशि से निर्माण कराये जाने हेतु व्यापार कर विभाग आयकर में पंजीकृत फर्मों के द्वारा ग्राम पंचायत परिधि के अन्दर निम्न विवरणनुसार कार्यस्थल पर सामग्री आपूर्ति कराने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है । ईट प्रथम श्रेणी, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट, टैंकर क्रय, टैंकर मरम्मत बालू, डाला गिट्टी, सोलिंग गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईंट, सीमेंट, पटिया, टीन शेड, ऐजबेस्टेस सीट, शोचालय निर्माण सामग्री, PVC पाईप, बोल्डर, सरिया, स्टोन डस्ट, GSB, हैंडपंप सामग्री, हैंडपंप रिबोर/बोर, पेन्टिंग सामग्री, ई-रिक्शा, ढेला गाड़ी, सफाईकर्मी किट, ह्युम पाईप, सीमेन्ट बेंच, लोहे का (दरवाजा, खिड़की, एंगल, पाईप), बिजली वायरिंग सामग्री, समरसिबल पंप, सोलर पंप, अन्य सामग्री। इच्छुक आपूर्तिकर्ता निविदा दिनांक-10-5-2026 से 22-05-2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर जमा कर सकते है। जिसे दिनांक 23-5-2026 को 4:00 बजे निविदा दाताओ जो उपस्थित रहना चाहते है के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोला जायेगा। टेंडर फार्म शुल्क रू0 500 जमा कर निर्धारित अवधि मे प्राप्त किया जा सकता है।

प्रतिबंध और शर्ते - 1- निविदा की सभी दरें कर सहित लोक निर्माण विभाग की स्वीकृत दर से अधिक नहीं होनी चाहिए। 2- जमानत धनराशी और अन्य जानकारी हेतु ग्राम पंचायत कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। 3- खराब आपूर्ति की दशा में जमानत की राशि जब्त कर ली जायेगी। 4-सशर्त निविदा स्वीकार्य नहीं की जायेगी। 5- बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

ग्राम प्रधान-
विकास खंड- सोनभद्र।

ग्राम प. सचिव
विकास खंड

ग्राम विकास अधिकारी
अरुण कुमार चौधरी
ग्रा.प. अमोखर
वि.ख. रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र

राहुल तीन टीमों से 1000 से अधिक रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज,आईपीएल में 500 चौके पूरे,ग्रीन के छक्के से बॉल गुमी

नयी दिल्ली। आईपीएल में शुक्रवार को कोलकाता नाइटराइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया। केएल राहुल ने तीन अलग-अलग टीमों के लिए 1000प्लस रन पूरे कर इतिहास रचा। उनके आईपीएल में 500 चौके भी पूरे हुए। दूसरी ओर कैमरन ग्रीन के 94 मीटर लंबे छक्के से बॉल गुम हो गई।

दिल्ली-कोलकाता मैच के टॉप रिकॉर्ड्स-1. केएल राहुल के दिल्ली के लिए एक हजार रन पूरे विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1,000 रन पूरे किए। राहुल आईपीएल इतिहास में 3 टीमों से 1,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। मैच में वे 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 2. केएल राहुल के 500 आईपीएल चौके पूरे केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ चार चौके लगाए और आईपीएल में 500 चौके पूरे किए। आईपीएल में सबसे ज्यादा 813 चौके विराट कोहली ने लगाए हैं। शिखर धवन 768 चौकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेविड वॉर्नर ने 663 और रोहित शर्मा ने 659 चौके लगाए हैं। अजिंक्य रहाणे 526 चौकों के साथ पांचवें और सुरेश रैना 506 चौकों के साथ छठे स्थान पर हैं। राहुल 500 चौकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। 3. एलन ने कोलकाता के लिए सबसे तेज शतक लगाया दिल्ली के खिलाफ कोलकाता के ओपनर फिन एलन ने 47 गेंदों में शतक लगाया। वे कोलकाता के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके आईपीएल करियर का पहला शतक रहा। वे कोलकाता के लिए आईपीएल में शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। मैच के टॉप मोमेंट्स- 1. अनुकूल रॉय का रनिंग कैच, अक्षर पटेल आउट दिल्ली की पारी के 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर टीम ने छठा विकेट गंवाया। कप्तान अक्षर पटेल 22 गेंदों पर 11 रन बनाकर आउट हुए। वैभव अरोड़ा ने उन्हें अनुकूल रॉय के हाथों कैच कराया। अनुकूल ने डीप मिडविकेट बाउंड्री पर रनिंग कैच पकड़ा। ऑफ स्टंप के बाहर धीमी गेंद पर अक्षर ने फ्लैट पुल शॉट खेला। अनुकूल बाईं ओर दौड़े और कमर की ऊंचाई पर कैच लपका। कैच लेते समय उनका पैर जमीन में फंस गया और वह गिर पड़े, लेकिन गेंद पर पकड़ नहीं छोड़ी। 2. स्टार्क ने रहाणे को फॉलो-थ्रू पर रनआउट किया कोलकाता की पारी के तीसरे ओवर में टीम ने पहला विकेट गंवाया। कप्तान अजिंक्य रहाणे 13 रन बनाकर रनआउट हुए। मिचेल स्टार्क ने इनस्विंगिंग यॉर्कर डालने की कोशिश की। एलन ने सीधा शॉट खेला, तभी नॉन-स्ट्राइकर एंड पर रहाणे क्रीज से बाहर निकल गए थे। स्टार्क ने बाएं हाथ से गेंद को छुआ और गेंद सीधे स्टंप्स पर जा लगी, जिससे रहाणे रनआउट हो गए। 3. ग्रीन ने अक्षर के ओवर में 94 मीटर का छक्का मारा, बॉल गुमी छठे ओवर में कैमरन ग्रीन ने अक्षर पटेल की दूसरी गेंद पर 94 मीटर का छक्का लगाया। इससे बॉल गुम गई और दूसरी गेंद मंगानी पड़ी। अक्षर की फुल लेंथ गेंद ग्रीन के स्लॉट में थी, जिस पर उन्होंने जोरदार शॉट खेला। गेंद डीप मिडविकेट के ऊपर से 94 मीटर दूर गौतम गंभीर स्टैंड में जाकर गिरी। 4. एलन ने छक्का लगाकर कोलकाता को जीत दिलाई कोलकाता के ओपनर फिन एलन ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। उन्होंने इसी गेंद पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 47 गेंदों पर 5 चौके और 10 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में भारत,लेबनान को 4-0 से हराया

नयी दिल्ली। अंडर-17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची है। चीन के सूझोऊ में खेले गए आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने लेबनान को 4-0 से हराया। प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी संजम और जोया ने एक-एक गोल दागा। भारत ने ग्रुप स्टेज 3 अंकों के साथ खत्म किया और थाईलैंड के साथ 'बेस्ट थर्ड प्लेस' टीम के तौर पर अंतिम आठ में जगह बनाई। छठे मिनट में भारत ने पहला गोल दागा-भारत ने शुरुआत से ही लेबनान पर दबाव बनाए रखा। छठे मिनट में दिव्यानी लिंडा के लॉन्ग पास पर प्रीतिका बर्मन ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 35वें मिनट में अल्वा देवी संजम ने स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने दो और गोल कर लेबनान की वापसी के रास्ते बंद कर दिए। 2004 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची महिला टीम-भारतीय महिला फुटबॉल के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 2004 में एएफसी अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के बाद पहली बार भारत की किसी महिला टीम ने एशियन कप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई है। वहीं, 2018 में अंडर-16 पुरुष टीम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद यह किसी भी भारतीय टीम का पहला नॉकआउट है। चीन से होगा क्वार्टर फाइनल मुकाबला-सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला मेजबान चीन से होगा। चीन ग्रुप-ए में तीनों मैच जीतकर 9 अंकों के साथ टॉप पर रहा। मैच सूझोऊ स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में खेला जाएगा।

गर्लफ्रेंड अपनी जरूरतें सीधे नहीं बताती-इनडायरेक्ट ताने देती है, मैं इमोशनल स्ट्रेस में हूं, क्या करूं?

नोएडा। समझेंगे विषय को एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट,

नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं एक सरकारी बैंक में कैशियर हूं। कुछ महीनों से एक लड़की के साथ रिलेशनशिप में हूं। हमारे बीच सब अच्छा है, लेकिन वो अपनी जरूरतें सीधे बोलने की बजाय इशारों में कहती है। जैसे- 'मेरे पास बाहर जाने के लिए अच्छे

कपड़े नहीं हैं।' 'उस लड़की की वॉच कितनी अच्छी है।' 'उस लड़की का बैग कितना प्यारा लग

रहा है।' कई बार वो अपने फाइनेंशियल या पर्सनल स्ट्रेस भी ऐसे ही बताती है, ताकि मैं खुद मदद की पेशकश करूं। शुरू में मैंने किया भी, लेकिन अब मैं मेंटली थक गया हूं। क्या वह जानबूझकर ऐसा करती है ताकि मैं गिल्ट महसूस करूं? क्या ये इमोशनल इंफ्लुएंस है? मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया कि आपने इतने स्पष्ट शब्दों में सवाल पूछा। इसी तरह हेल्दी रिलेशनशिप के लिए भी स्पष्ट संवाद जरूरी है। आपने लिखा कि आपकी पार्टनर हर बात इशारों में कहती है। ऐसी स्थिति में थकान महसूस होना स्वाभाविक है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और प्रैक्टिकल सॉल्यूशन पर बात करते हैं। पार्टनर बता रहा है या पहेली बुझा रहा है? रिलेशनशिप में अपनी बात रखना हर किसी का हक है, लेकिन उसे कहने का तरीका स्पष्ट होना चाहिए। बार-बार बातों को घुमाना और खुद को 'बेचारा' दिखाना इमोशनल मैनिपुलेशन है। यह स्थिति धीरे-धीरे रिश्ते की सहजता को खत्म कर सकती है। 'मैनिपुलेशन' और 'हेल्दी कम्युनिकेशन' में क्या फर्क है- पहले 'मैनिपुलेशन'- काश! मेरे पास भी उसके जैसा बैग होता। सब घूमते हैं, मेरी ही किस्मत खराब है। मेरे पास गर्मियों के अच्छे कपड़े ही नहीं हैं। सिर फट रहा है, कोई पूछने वाला नहीं। कोई मदद नहीं करता, मैं अकेले खटती हूं। अब हेल्दी कम्युनिकेशन- मुझे नए बैग की जरूरत है। इस वीकेंड बाहर चलना चाहिए। मुझे गर्मियों के

नए कपड़े लेने हैं। मेरे सिर में दर्द है, मेरे पास बैठो। मैं खाना बना रही हूं, तुम बर्तन धो दो। मैनिपुलेशन की साइकोलॉजी-अगर किसी रिलेशनशिप में एक पार्टनर हर बार इशारों में बात कहता है, तो दूसरा 'डिकोडिंग मोड' में चला जाता है। इसे 'डिसीजन फटीग' भी कहते हैं, जहां व्यक्ति हर वक्त यह सोचकर तनाव में रहता है कि सामने वाले की किस बात का क्या मतलब है। आपने लिखा कि आपकी गर्लफ्रेंड अपनी डिमांड्स इसी तरह रखती है। इसके बावजूद अगर आप सभी डिमांड्स पूरी कर रहे हैं तो आपको सेल्फ-एसेसमेंट करना चाहिए। कहीं आप 'गिल्ट ट्रिप' के शिकार तो नहीं, अपना सेल्फ-एसेसमेंट करें-रिश्तों में कभी-कभी हम वह सब भी करने

लगते हैं, जो नहीं करना चाहते। इसकी वजह 'गिल्ट' हो सकती है। नीचे दिए एसेसमेंट टेस्ट से समझिए कि कहीं आप 'गिल्ट ट्रिप' में तो नहीं जा रहे हैं। कैसे करें? नीचे 7 सवाल दिए गए हैं। हर सवाल को ध्यान से पढ़ें और अपनी स्थिति के अनुसार खुद को 0 से 3 के बीच नंबर दें- 0: बिल्कुल नहीं, 1: कभी-कभार, 2: अक्सर, 3: हमेशा/हर बार, मैं बिना गलती अपराधबोध फील करता हूं। मुझे लगता है कि उसकी डिमांड पूरी करनी चाहिए। मुझे लगता है कि डिमांड पूरी करना मेरी ड्यूटी है। लेकिन करने के बाद मुझे अच्छा फील नहीं होता। मैं खुद को ठगा हुआ सा महसूस करता हूं। मैं सिर्फ उसे खुश करने के लिए ऐसा करता हूं। मुझे डर है कि डिमांड्स पूरी न हुईं तो वो नाराज होगी। फिर स्कोर एनालिसिस करें- सभी सवालों के नंबरों को जोड़ लें और अपना टोटल स्कोर देखें। अगर स्कोर 15 से ऊपर है, तो यह 'क्रॉनिक गिल्ट ट्रिप' का संकेत है।

इसका मतलब है कि आपको अपनी बाउंड्रीज तय करने और खुद पर काम करने की सख्त जरूरत है। अगर स्कोर 6-14 के बीच है तो सतर्क हो जाएं और सुधार करें। अगर स्कोर 1-5 के बीच है तो कोई समस्या नहीं है। आपने लिखा कि वह अपनी पर्सनल बातें शेयर करते समय भी यही तरीका फॉलो करती है। साइकोलॉजी के मुताबिक, कुछ लोग ऐसा इसलिए करते हैं, ताकि 'ना' की गुंजाइश खत्म हो जाए।

उन्हें लगता है कि चीजें सीधे मांगने पर मना किया जा सकता है। इसलिए वे अपनी बात कहने के लिए इशारों का सहारा लेते हैं। लेकिन किसी भी रिश्ते में यह तरीका हेल्दी नहीं है। पहेलियां सिर्फ रोमांस में अच्छी लगती हैं। सामान्य चीजों के लिए रोज 'माइंड रीडिंग' करना थकाऊ हो सकता है। स्वस्थ रिश्ता वो है, जहां दोनों पार्टनर खुलकर साफ बात करते हैं। इच्छा और नाराजगी दोनों ईमानदारी से जाहिर करते हैं। कभी-कभी लोग अनजाने में भी इस तरह बिहेव करते हैं। ऐसा हो सकता है कि उन्होंने बचपन से इसी तरह अपनी बातें मनवाई हों।

तेज धूप में सनग्लासेस पहनना जरूरी,यूवी किरणों से आंखों को हैं बहुत नुकसान, खरीदते समय ये जरूरी बातें ध्यान रखें

नयी दिल्ली। गर्मियों में घर से बाहर निकलना चैलेंजिंग होता है। लेकिन रोजमर्रा के काम से बाहर निकलना मजबूरी है। तेज धूप में बाहर निकलते समय आंखों की सुरक्षा बहुत जरूरी है। अल्ट्रावायलेट (यूवी)

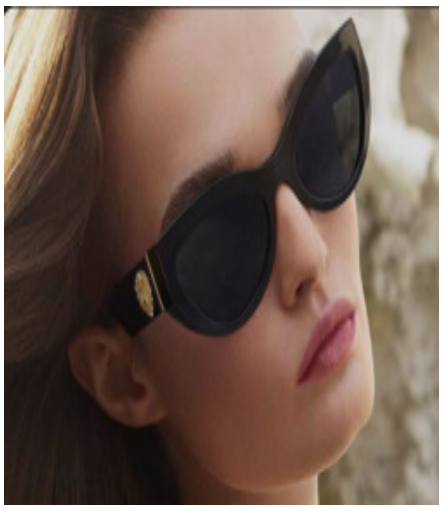

किरणें आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इससे जलन, धुंधलापन और लॉन्ग टर्म में आंखों से जुड़ी बीमारियों का रिस्क होता है। ऐसे में सनग्लासेस आंखों की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। सही सनग्लासेस धूप, धूल और हानिकारक यूवी किरणों से बचाते

हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि गर्मियों में सनग्लासेस पहनना क्यों जरूरी है और इसे खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या गर्मियों में सनग्लासेस पहनना जरूरी है? जवाब- हां, यह आंखों को हानिकारक यूवी किरणों, तेज रोशनी और धूल से बचाता है। इससे जलन, ड्राईनेस और अन्य समस्याओं का रिस्क कम होता है। सवाल- अल्ट्रावायलेट किरणों का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- सूर्य की रोशनी से निकलने वाली अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के बाहरी और अंदरूनी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। आंखों में जलन पानी आना, दर्द, धुंदला दिखना, रेटिना ख़राब होना, ड्राईनेस, मोतियाबिंद सवाल- क्या सनग्लासेस अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाते हैं? जवाब- हां, सही क्वालिटी के सनग्लासेस यूवी किरणों से बचाते हैं। खासतौर पर 'यूवी400' प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस आंखों को हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों से सुरक्षित

रखते हैं। सवाल- क्या सिर्फ तेज धूप में ही सनग्लासेस लगाना जरूरी है या हल्की धूप में भी लगाना चाहिए? जवाब- सनग्लासेस हल्की धूप में भी पहनना चाहिए। यूवी किरणें बादलों या हल्की धूप में भी मौजूद रहती हैं। इसलिए बाहर निकलते समय सनग्लासेस लगाना बेहतर है। सवाल- तेज धूप में बिना सनग्लासेस बाहर निकलने से क्या नुकसान हो सकता है? जवाब- सनग्लासेस न पहनने से आंखें सीधे यूवी किरणों और तेज रोशनी के संपर्क में आती हैं। इससे आंखों को कई नुकसान हो सकते हैं। जैसेकि-तेज जलन और रेडनेस। पानी आना और ड्राईनेस। सिरदर्द और आंखों में थकान। नजर में धुंधलापन। लंबे समय में कॉर्निया को नुकसान। मोतियाबिंद का खतरा। धीरे-धीरे नजर में कमजोरी। लंबे समय में रेटिना डैमेज का रिस्क। सवाल- क्या सस्ते या लोकल सनग्लासेस नुकसानदायक हो सकते हैं? जवाब- हां, इनमें यूवी प्रोटेक्शन नहीं होता है। ये सिर्फ रोशनी कम करते हैं, जिससे आई बॉल(पुतली) फैल जाती है और हानिकारक यूवी किरणें आंखों में प्रवेश कर सकती हैं। इससे आंखों को डैमेज का रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- किस तरह के सनग्लासेस गर्मियों के लिए सबसे बेहतर होते हैं? जवाब- 'यूवी400' या '100फीसदी यूवी प्रोटेक्शन' वाले सनग्लासेस सबसे अच्छे होते हैं। ये आंखों को हानिकारक किरणों से बचाते हैं। धूप की चकाचौंध कम करने के लिए पोलराइज्ड लेंस बेहतर हैं। बेहतर विजन के लिए ग्रे, ब्राउन या हरे रंग के लेंस चुन सकते हैं। आंखों के पूरे कवरेज के लिए बड़े फ्रेम या रैपअराउंड स्टाइल बेहतर है। सवाल- सनग्लासेस आंखों को किन समस्याओं से बचाते हैं? जवाब- सनग्लासेस यूवी किरणों, तेज रोशनी और धूल से बचाकर कई समस्याओं से सुरक्षा देते हैं। सनग्लासेस खरीदते समय सिर्फ स्टाइल नहीं, बल्कि क्वालिटी और प्रोटेक्शन को प्राथमिकता देना चाहिए। इससे आंखों को सही सेफ्टी मिलती है। इसलिए सनग्लासेस खरीदते समय कुछ बातों का खास ख्याल रखें। सवाल- क्या लंबे समय तक सनग्लासेस पहनने से आंखों पर कोई बुरा असर पड़ता है?जवाब- नहीं, सही क्वालिटी के सनग्लासेस से आंखों पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है। ये आंखों को यूवी किरणों, धूल और तेज रोशनी से बचाकर सुरक्षा देते हैं। हालांकि खराब क्वालिटी या बिना यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस आंखों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सनग्लासेस से जुड़े कुछ कॉमन सवाल और जवाब-सवाल- बादल होने पर भी यूवी किरणों का खतरा रहता है? जवाब- हां, बादलों के बावजूद यूवी किरणें जमीन तक पहुंचती हैं, इसलिए हमेशा आंखों की सुरक्षा जरूरी है। सवाल- क्या सुबह-शाम की धूप में भी यूवी किरणों का खतरा रहता है? जवाब- हां, सुबह-शाम यूवी तीव्रता कम होती है, लेकिन जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं होता है। सवाल- क्या हरेक सनग्लास यूवी किरणों से प्रोटेक्ट करता है? जवाब- नहीं, केवल यूवी400 या 100फीसदी यूवी प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस ही सही सुरक्षा देते हैं। सवाल- क्या सनग्लासेस आंखों को ड्राईनेस और इरिटेशन से बचाते हैं? जवाब- हां, ये धूल, हवा और तेज रोशनी से बचाकर ड्राईनेस और जलन कम करते हैं। सवाल- क्या सनग्लासेस पहनने से आंखों की थकान कम होती है? जवाब- हां, ये तेज रोशनी की चुभन कम करते हैं, जिससे आंखों पर तनाव घटता है। सवाल- क्या कॉन्टैक्ट लेंस पहनने वालों को भी सनग्लासेस लगाने चाहिए? जवाब- हां, कॉन्टैक्ट लेंस पूरी तरह अल्ट्रावायलेट किरणों से सुरक्षा नहीं देते, इसलिए उन्हें भी सनग्लासेस लगाने चाहिए।

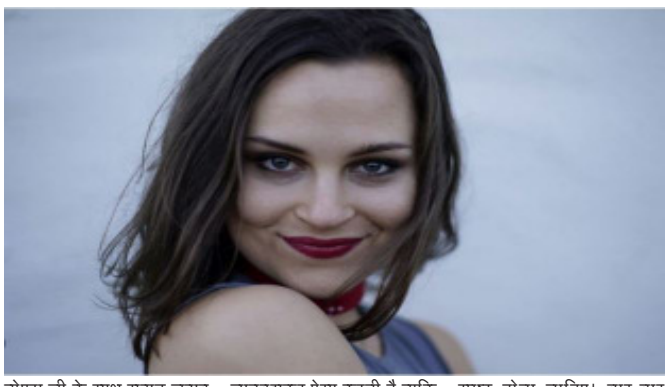

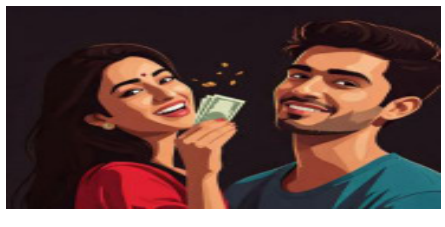

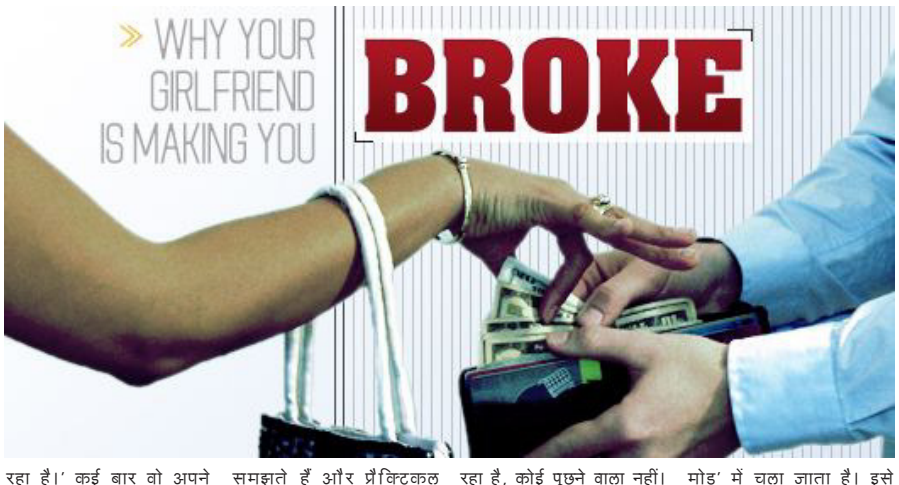

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल

साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-

दूसरे को पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी

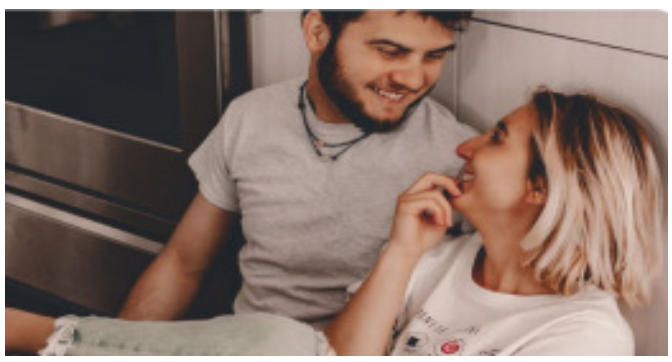

फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई

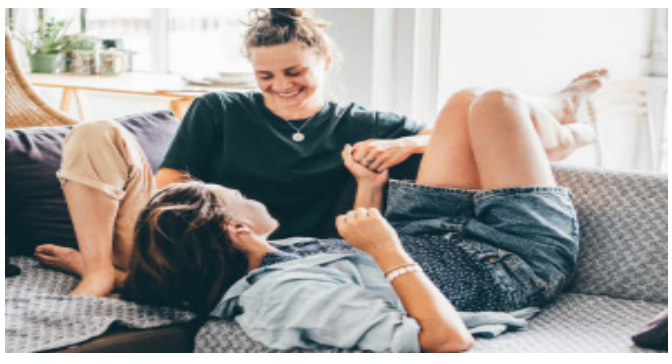

है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा

देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' समझेंगे। इन सवालों का तार्किक जवाब क्या है? भावनाओं के भंवर में लोग अक्सर लॉजिक भूल जाते हैं। अगर ठंडे दिमाग से सोचें, तो समझ आएगा कि आपके डर के पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? किसी भी रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह

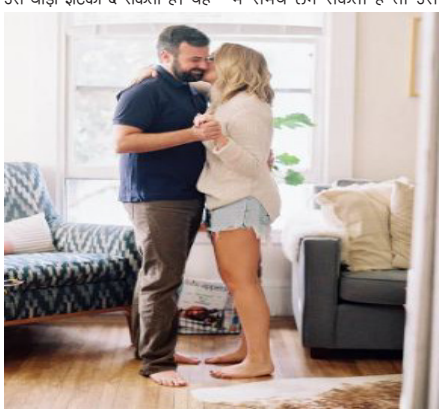

निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ

दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का

स्पेस दें। उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे

पूरा वक्त दें। अंतिम सलाह-प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

बच्चों को अब होमवर्क के लिए मोबाइल की जरुरत पड़ रही हैं हर सवाल एआई से तो खुद क्या सीख पायेंगे- क्या करूं?

जयपुर। विषय को समझेंगे- एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के

साथ। सवाल- मैं पटना का रहने वाला हूं। मेरी 13 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ समय से अपने होमवर्क और प्रोजेक्ट के लिए वह एआई टूल्स का इस्तेमाल करने लगी है। उसे कुछ भी पूछना-जानना हो तो सीधे चैट जीपीटी से पूछकर जवाब कॉपी कर लेती है। खुद सोचने या मेहनत करने

से बचने लगी है। मुझे लगता है कि जैसे वह अब इसी पर निर्भर हो गई है। हमें डर है कि कहीं इससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता और लर्निंग एबिलिटी कम न हो जाए। हमें क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता

बिल्कुल वाजिब है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। इसलिए स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें इसका सही इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अगर एआई टूल्स का सही इस्तेमाल किया जाए तो ये सीखने का एक अच्छा मीडियम बन सकता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा पूरी तरह इस पर निर्भर हो जाता है। इससे उसकी सोचने-समझने और समस्या हल करने की क्षमता कम होने लगती है। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को

समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। जब बच्चा हर सवाल का जवाब बिना खुद सोचे सीधे एआई से लेता है तो उसकी समझ और बुद्धि कमजोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिक रूप से हमारा दिमाग 'यूज इट ऑर लूज इट' के सिद्धांत पर काम करता है। यानी जितना हम सोचते-समझते और समस्या हल करते हैं, उतना ही दिमाग तेज और एक्टिव होता है। लेकिन जब यह प्रक्रिया कम होने लगती है, तो धीरे-धीरे सोचने-समझने और एनालिसिस करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा एआई पर निर्भरता से बच्चे में धैर्य की कमी, जल्दी हार मानने की आदत और कॉपी-पेस्ट लर्निंग जैसी आदतें आ सकती हैं। ये आदतें आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई और पर्सनैलिटी दोनों को प्रभावित करती हैं। पेरेंट्स बच्चे को समझाएं कि एआई एक लर्निंग टूल है, जो उनकी पढ़ाई और समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लेकिन यह कभी भी टीचर या उनके अपने दिमाग का विकल्प नहीं बन सकता। बच्चे के बताएं कि जब वे खुद सोचते हैं, सवाल करते हैं, अलग-अलग संभावनाओं को समझते हैं और गलती करके उससे सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल केवल गाइड या सपोर्ट के रूप में किया जाए, न कि शॉर्टकट के तौर पर। सवाल या होमवर्क में पहले खुद प्रयास करने के लिए प्रेरित करें। जब कहीं अटक जाए, तभी एआई की मदद लेने को कहें। एआई से मिला जवाब सीधे इस्तेमाल करने के बजाय उसे पढ़कर समझना और अपने शब्दों में लिखने को कहें। होमवर्क या

करें, जब बच्चा बिना किसी डिजिटल मदद के खुद पढ़ाई और प्रैक्टिस करे। बच्चे को बताएं कि एआई से बेहतर जवाब पाने के लिए सही और स्पष्ट सवाल पूछना भी एक स्किल है। एआई हमेशा 100फीसदी सही नहीं होता। इसलिए किताब, टीचर या दूसरे सोर्स से जानकारी मिलान करना सिखाएं। सही

एआई यूज के लिए पेरेंट्स ग्राफिक में दिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं। पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे की कोशिश और सोचने की प्रक्रिया को सराहें। आप अपनी बेटी से कह सकते हैं कि पहले वह खुद

सवाल हल करने की कोशिश करे और बाद में एआई से अपने जवाब की तुलना करे। इससे उसे दो फायदे होंगे- वह खुद सोच पाएगी। एआई से नई जानकारी भी सीख पाएगी। इसके अलावा बच्ची को ऐसी एक्टिविटीज में शामिल करें, जो उसकी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ाए। बच्चे से बातचीत जरूरी इस उम्र में बच्चों के साथ बातचीत बहुत जरूरी होती है। अगर पेरेंट्स सीधे यह कहते हैं कि 'एआई मत यूज करो' तो बच्चा इससे चिड़चिड़ा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी बेटी से बातचीत करें और उससे पूछें कि 'उसे एआई में क्या अच्छा लगता है', 'वह इसका इस्तेमाल क्यों करती है।' जब बच्ची खुलकर अपनी बात बताएगी तो आप उसकी सोच को समझेंगे। आप उसे यह समझा सकते हैं कि एआई से मदद लेना ठीक है, लेकिन सीखना बहुत जरूरी है। याद रखें, एआई के यूज के साथ संतुलन जरूरी है। अंत में यही कहूंगी कि आप अपनी बच्ची को समझाएं कि एआई एक 'टॉर्च' की तरह है, जो रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलना उसे खुद ही होता है। जब वह समझेगी कि एआई सिर्फ हेल्पिंग टूल है। उसे अपनी सोच-समझ के लिए मेहनत और जिज्ञासा बनाए रखनी होगी, तभी वह तकनीक का संतुलित और सही उपयोग करना सीख पाएगी।

जाह्नवी कपूर और शिखर की शादी की खबरें गलत,अफवाहों में सच्चाई नहीं-बोनी कपूर,इस साल के अंत तक जामनगर में शादी को बताया फेक

मुंबई। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और शिखर पहाड़िया की शादी

पर एक्ट्रेस के पिता और फिल्ममेकर बोनी कपूर ने सफाई

दी है। बोनी ने उन तमाम दावों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा जा रहा था कि जाह्नवी और

शिखर इस साल के आखिर में शादी करने वाले हैं। दरअसल पिछले कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि यह कपल सितंबर या अक्टूबर के बीच गुजरात के जामनगर में एक पारंपरिक समारोह में शादी कर सकता है।

जब इन अटकलों के बारे में बोनी कपूर से पूछा गया, तो उन्होंने ई-टाइम्स से बातचीत में सीधे तौर पर कहा, 'नहीं, यह सच नहीं है।

' परिवार के करीबी हैं शिखर पहाड़िया शिखर को अक्सर कपूर परिवार के निजी कार्यक्रमों और छुट्टियों में देखा जाता है।

वे न केवल जाह्नवी के साथ वेकेशन पर जाते हैं, बल्कि अक्सर मंदिरों के दर्शन के लिए भी परिवार के साथ नजर आते हैं।

जाह्नवी ने भी अप्रैल 2024 में 'कॉफी विद करण' के एक एपिसोड में इशारों में बताया थी कि वह किसी के साथ रिलेशनशिप में हैं।

दोनों का नाम सबसे पहले तब जुड़ा था, जब जाह्नवी ने बॉलीवुड में डेब्यू भी नहीं किया था। साल 2016 में कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों अलग हो गए थे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से वे अक्सर सार्वजनिक जगहों पर साथ नजर आते हैं।

प्यार में सुरक्षित महसूस करती हैं जाह्नवी हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान जाह्नवी ने प्यार और अपने पार्टनर के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शिखर का नाम लिए बिना कहा, 'प्यार सुरक्षित महसूस कराता है। उनकी मौजूदगी की वजह से अब मैं खुद को उतना बेबस महसूस नहीं करती।

' उन्होंने आगे कहा कि वह इस रिश्ते में एक बच्ची की तरह रह सकती हैं और उनके साथ उन्हें सबसे ज्यादा मजा आता है।एक्ट्रेस के मुताबिक, इस प्यार ने उन्हें अपने सबसे सच्चे रूप में रहने में मदद की है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।